Email : bulandmedia@gmail.com www.bulandmedia.in RNI NO. CHHHIN / 2012 / 40854

बुलंद मीडिया

संपादक - मनोज पाण्डेय मो. 9754750321

वर्ष : 12 अंक : 282 रायपुर रविवार 03 दिसंबर 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य : 02/-

निर्वाचन कार्यालय ने पूरी की मतगणना की तैयारियां

1181 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव-2023 के तहत 90 विधानसभा क्षेत्रों का परिणाम तीन दिसंबर को आएगा। निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों के मुताबिक मतगणना की तैयारियां पूरी कर ली गई है। दो चरणों में हुए मतदान के बाद सभी 33 जिला मुख्यालयों तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पहले चरण में 20 सीटों के लिए 223 व दूसरे चरण की 70 सीटों के लिए कुल 958 प्रत्याशी मैदान पर हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र कवर्धा, पंडरिया, कसडोल, सारंगढ़, बिलाईगढ़, भरतपुर-सोनहत में केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा ईवीएम के माध्यम से मतों की गणना के लिए पूर्व में अनुमोदित 14-14 टेबल में 7-7 अतिरिक्त टेबल लगाए जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया है।

अतिरिक्त टेबल संख्या के अनुमोदन के बाद इन विधानसभा क्षेत्रों में ईवीएम द्वारा मतों की गणना के लिए अनुमोदित टेबल की संख्या 14 के स्थान पर 21 हो गई है। अब कवर्धा और कसडोल में 20 चक्र, पंडरिया में 19, सारंगढ़ में 17, बिलाइगढ़ में 18, भरतपुर सोनहत में 15 चक्रों में ईवीएम द्वारा मतगणना की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों एवं प्रत्याशियों से अपील की है कि संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में निर्वाचन कायालर्य द्वारा अनुमोदित अतिरिक्त टेबल के लिए अतिरिक्त गणना अभिकर्ता आज ही नियुक्त करें।

मतगणना से पहले छीसगढ़ सहित पांचों राज्यों में सियासी हलचल तेज

रायपुर। पांच राज्यों के एग्जिट पोल के उलझे आंकड़ों से सभी सियासी दलों की बेचैनी बढ़ गई है। नजदीकी मुकाबले की आशंका के बीच दलों ने बाड़ाबंदी शुरू कर दी है। कांग्रेस पहले की घटनाओं से सीख लेते हुए ज्यादा सतर्क है। सूत्रों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के जीते प्रत्याशियों को बेंगलुरू भेजने की तैयारी है। इसके लिए दो चार्टर्ड प्लेन बुक कराए गए हैं। दूसरी ओर, राजस्थान-तेलंगाना में भी पार्टी ऐसी ही तैयारी में है। कर्नाटक के डिप्टी सीएम और कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने दावा किया कि हाईकमान कहे तो वे पांचों राज्यों के विधायक संभालने को तैयार हैं। दूसरी ओर, मप्र में तीन एग्जिट पोल में एकतरफा जीत को लेकर उत्साहित भाजपा के नेता जीत के कारण गिनाने में जुटे हैं। वह असंतुष्ट कांग्रेसियों व निर्दलीयों से लगातार बात कर रहे हैं। वहीं, चार एग्जिट पोल में आगे कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं को ध्यान मतगणना में लगाने के निर्देश दिए हैं। पार्टी के मुताबिक सर्वे के आंकड़े सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए ही हैं।

मां-बाप के हत्यारे को अब फांसी नहीं उम्रकैद की सजा

दुर्ग। दुर्ग जिले के चर्चित जैन दंपति हत्याकांड में बिलासपुर हाईकोर्ट ने आरोपी बेटे संदीप जैन की फांसी की सजा को उम्र कैद में बदल दिया है। कोर्ट ने मामले में दो सह अभियुक्त शैलेंद्र और गुरु दत्ता की 5-5 साल की सजा से राहत देते हुए उन्हें दोषमुक्त कर दिया है। इन लोगों ने संदीप को पिस्टल और कारतूस बेची थी।

दरअसल, एक जनवरी 2018 को संदीप जैन ने दुर्ग के गंजपारा स्थित मकान में अपने पिता रावल मल जैन और मां सुरजा बाई की गोली मारकर हत्या कर दी थी। ये उस समय छत्तीसगढ़ का काफी हाई प्रोफाइल और सबसे चर्चित केस था। इस मामले की सुनवाई करते हुए दुर्ग जिला कोर्ट ने संदीप जैन को फांसी की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ संदीप के वकील ने बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाई। इस पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार 1 दिसंबर को हाईकोर्ट ने मुख्य अभियुक्त संदीप जैन की फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया है। पूछताछ में आरोपी संदीप ने पुलिस को बताया था कि उसके पिता रावल मल जैन रूढ़ीवादी विचारधारा के थे। उन्हें उसका महिला मित्रों से मिलना पसंद नहीं था। वो कई बार उसे अपनी संपत्ति से बेदखल करने की धमकी भी दे चुके थे।

सीएम बघेल ने पीएम मोदी से ऑनलाईन बेटिंग के अवैध कारोबार से जुड़े प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध की मांग की

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मतगणना से पहले 1 दिसम्बर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सभी प्लेटफार्मों पर महादेव ऐप पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग के माध्यम से अवैध जुआ और सट्टेबाजी का कारोबार देश भर में फैल गया है और इसके संचालक और मालिक विदेशों से उक्त अवैध कारोबार चला रहे हैं। बघेल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि छत्तीसगढ़ सरकार और उनकी राज्य पुलिस इस अवैध कारोबार के

संबंध में शुरू से ही सख्त कार्रवाई कर रही है। इस संबंध में केस दर्ज करने, इसमें शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करने और संपत्ति जब्त करने में सफलता हासिल की गई है। मार्च 2022 से अब तक इस संबंध में 90 से अधिक आपराधिक मामले छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा दर्ज किए गए हैं। इसमें 450 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।बैंक खातों में लगभग 16 करोड़ रुपये फ्रीज कर दिए गए हैं, कई लैपटॉप, मोबाइल जब्त कर लिए गए हैं। बघेल ने यह भी बताया कि राज्य पुलिस ने 80 प्लेटफॉर्म, यूआरएल, लिंक, ऐप्स को प्रतिबंधित और अक्षम करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को लिखा है। मुख्यमंत्री ने कहा, गूगल के साथ पत्राचार के माध्यम से अवैध कारोबार में शामिल महादेव ऐप को प्ले स्टोर से हटा दिया गया है। हाल ही में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा महादेव बुक सहित 22 अवैध सट्टेबाजी ऐप्स और वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि यह अवैध कारोबार कई अंतरराष्ट्रीय या घरेलू मोबाइल नंबरों, मेल आईडी, टेलीग्राम, व्हाट्सएप, यूआरएल, लिंक, इंस्टाग्राम, एपीके फाइलों आदि के माध्यम से भी संचालित होता है।

दंतेवाड़ा में आईईडी लास्ट, 2 जवान घायल

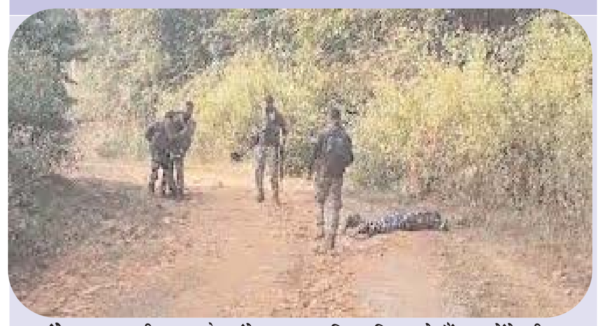

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में साल के अंतिम महीने में मनाए जाने वाले नक्सली सप्ताह के पहले ही दिन नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया है। जिसकी चपेट में आने से सीआरपीएफ 195 बटालियन के 2 जवान घायल हो गए हैं। घायलों को साथी जवान अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज चल रहा है। मामला बारसुर थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि, इलाके में नक्सलियों ने बैनर-पौस्टर बांध रखा था और इसके नीचे ढ्ढश्वष्ठ प्लांट किया था। बैनर निकालते समय ढ्ढश्वष्ठ ब्लास्ट हो गया, जिससे जवान ब्लास्ट की चपेट में आ गए। नक्सलियों का पीएलजीए सप्ताह शुरू हो गया है। इसी को देखते हुए बारसुर इलाके में सीआरपीएफ -195 बटालियन के जवान एरिया डोमिनेशन के लिए निकले हुए थे। इसी बीच बारसुर-पल्ली मार्ग पर ब्रिज के पास नक्सलियों के लगाए बैनर-पोस्टर पर जवानों की नजर पड़ी। जवान बैनर-पोस्टर निकालने लगे। इसी दौरान जोर का धमाका हुआ। नक्सलियों ने बैनर-पोस्टर के नीचे पीएलजीए प्लांट कर रखा था। घटना के बाद मौके पर मौजूद जवान फौर दोनों घायलों को अस्पताल लेकर गए८स्क्क आर के बर्मन ने बताया कि ढ्ढश्वष्ठ को डिफ्यूज कर दिया गया है। बस्तर में नक्सलियों का पीएलजीए सप्ताह 8 दिसंबर तक चलेगा। पीएलजीए सप्ताह के पहले ही दिन नक्सली सक्रिय दिख रहे हैं। उन्होंने बीजापुर-आवापल्ली सड़क के बीचों-बीच बैनर बांधा है। उधर, नारायणपुर-ओरछा मार्ग पर भी सड़क पर पर्चे फेंके और पत्थर डालकर मार्ग बाधित कर दिया है। नक्सली दहशत की वजह से इस मार्ग में यात्री बसों के पहिए थम गए हैं। बीजापुर से आवापल्ली जाने वाले मार्ग पर नक्सलियों ने बैनर बांधकर पर्चे भी फेंके हैं। बैनर-पोस्टर में लोगों से क्क सप्ताह मनाने की बात लिखी है। बताया जा रहा है कि, इसकी जानकारी मिलते ही मोदकपाल थाने के जवान भी मौके पर पहुंचे और बैनर-पोस्टर हटा दिया है। नारायणपुर में बाधित की सड़क नक्सलियों ने नारायणपुर-ओरछा मार्ग पर भी जमकर उत्पात मचाया है। इस सड़क पर नक्सलियों ने काफी पर्चे फेंके हैं। सड़क के बीच पत्थर रखकर मार्ग भी बाधित कर दिया। हालांकि, सुबह जानकारी मिलते ही पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और मार्ग को बहाल किया। सड़क पर बिखरे नक्सली पोस्टर-बैनर। सड़क पर बिखरे नक्सली पोस्टर-बैनर। सप्ताह नक्सलियों के साल का अंतिम अयोजन होता है। जिसमें वो सालभर की अपनी कामयाबी, नाकामियों, संगठन को मजबूती देने समेत अन्य बातों का बखान करते हैं। गांव-गांव में बैठक, सभा कर नए सदस्यों को भी जोड़ते हैं। इसके अलावा किसी न किसी तरह की बड़ी वारदात की भी फिराक में होते हैं।

अयोध्या में 320 करोड़ की लागत से श्रीराम एयरपोर्ट तैयार : टर्मिनल डिजाइन राम मंदिर जैसा, नाइट लैंडिंग की सुविधा; 22 जनवरी से पहले उड़ानें शुरू होंगी

अयोध्या। अयोध्या का मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट लगभग बनकर तैयार है। इसका टर्मिनल का डिजाइन राम मंदिर जैसा है। 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले इसे शुरू कर दिया जाएगा। इससे पहले सीएम योगी आज एयरपोर्ट पहुंचे। उनके साथ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और केंद्रीय राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह भी रहे।

सभी ने एयरपोर्ट के निर्माण काम का जायजा लिया। टर्मिनल बिल्डिंग में एयरपोर्ट अथॉरिटी के

अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की। ष्टरूऔर मंत्रियों के निरीक्षण के बाद अब एयरपोर्ट के उद्घाटन और उड़ान की डेट जल्द तय होगी। इसके साथ ही किराया भी तय किया जाएगा।

इधर, एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि सबसे पहले भारतीय एयरलाइन कंपनी इंडिगो दिल्ली और अहमदाबाद के लिए फ्लाइट शुरू करेगी। दिल्ली के लिए रोज और अहमदाबाद के लिए हफ्ते में तीन दिन फ्लाइट मिलेगी।

320 करोड़ की लागत से बन रहा एयरपोर्ट:सरकार 320 करोड़ की लागत से श्रीराम एयरपोर्ट बना रही है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अनुसार, एयरपोर्ट की बिल्डिंग राम मंदिर की तर्ज पर बनाई जा रही है। एयरपोर्ट का मुख्य भवन राजस्थान के बंशी पहाड़पुर के पत्थरों से बनाया जा रहा है। एयरपोर्ट का निर्माण तीन फेज में किया जा रहा है। पहले फेज में घरेलू उड़ान की सुविधा होगी। पूरे देश के एयरपोर्ट से अयोध्या की कनेक्टिविटी होगी। यहां पर 500 यात्रियों के एक बार में आने और जाने की सुविधा होगी। टर्मिनल-1 की बिल्डिंग में 250 यात्री आ-जा सकते हैं। इस तरीके की 500 यात्रियों की सुविधा होगी। एयरपोर्ट का 95% से ज्यादा काम पूरा- एयरपोर्ट पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम में शामिल विभिन्न घटकों जैसे लोकलाइजर, ग्लाइड पथ, मार्कर, डीएमई आदि का कैलिब्रेशन भी किया जा चुका है। दो फेज में इसे बनाया जा रहा। 2200 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा रन-वे बन चुका है। टर्मिनल बिल्डिंग और एयरपोर्ट में फीनिशिंग का काम 95% से ज्यादा पूरा हो चुका है।

धुंध में भी आसानी से होगी लैंडिंग

एयरपोर्ट अथॉरिटी के प्रोजेक्ट इंजीनियर इंचार्ज राजीव कुलश्रेष्ठ ने बताया था कि फेज-वन के तहत ही रनवे सेफ्टी एरिया (रेसा) के मानक के तहत रनवे और कैंट वन लाइटिंग का काम किया गया है। इससे रात में और धुंध (फॉग) में भी विमानों की लैंडिंग आसानी से कराई जा सकेगी। इसके अलावा यहां पर डे और नाइट दोनों लैंडिंग की सुविधा है।

संस्कृति, परंपराओं में विविधता होते हुए भी हम एक हैं : राज्यपाल हरिचंदन

रायपुर। राजभवन में शनिवार को असम और नागालैंड राज्यों का स्थापना दिवस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने इस अवसर पर कहा कि हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग संस्कृति एवं परंपराए है। इनमे विविधता होते भी हम एक हैं और दुनिया को ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' का संदेश दे रहे है। केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में राजभवन में असम एवं नागालैंड राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया। राज्यपाल ने स्थापना दिवस के अवसर पर इन राज्यों के लोगों को बधाई दी।

अपने उद्बोधन में राज्यपाल ने कहा कि इन दो अद्भुत राज्यों के स्थापना दिवस के अवसर पर, हमारे लिए उनके समृद्ध इतिहास, अद्भुत संस्कृति और उनकी आशाओं और सपनों के बारे में अधिक जानना महत्वपूर्ण है। उन्होंने असम और नागालैंड राज्य की विशेषताओं को रेखांकित किया। असम अपने विविध वन्य जीव और सुंदर ब्रहापुत्र नदी, विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ कामाख्या देवी मंदिर, कांजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान आदि के लिए जाना जाता है। यह राज्य विविध संस्कृतियों का मिलन स्थल है। इसकी एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी है जिसमें संगीत, नृत्य, कला और साहित्य शामिल हैं। यहां के चाय की स्फूर्तिदायक खुशबू पूरी दुनिया में फैली है। राज्यपाल हरिचंदन ने कहा कि खूबसूरत पहाड़ों के बीच बसे नागालैंड को पूर्व का स्विट्जरलैंड कहा जाता है। जीवंत रंगों और बहादुरी की कहानियों से भरे इस राज्य में जीवन का जश्न मनाने का मन करता है। नागालैंड कई जनजातियों का राज्य है, जिनमें से प्रत्येक की अपनी अनूठी संस्कृति और परंपराएं हैं। नागा लोगों की ताकत और दृढ़ संकल्प उनकी एकता और सरलता में देखी जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि असम और नागालैंड अलग-अलग संस्कृति और अतीत वाले दो राज्य हैं। लेकिन दोनों राज्यों के निवासी प्रगति और विकास की समान रूप से आकांक्षा रखते है। इस स्थापना दिवस का जश्न हमारे राष्ट्र के प्रति उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान को याद करने का भी एक अवसर है। कार्यक्रम में असम राज्य के प्रतिनिधि के रूप में रफिकुल मंडल और नागालैंड की प्रतिनिधि श्रीमती रंजना दास ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर असम के बिहु नृत्य सहित दोनों राज्यों के लोकनृत्यों की रंगारंग प्रस्तुति विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने की। सीआरपीएफ के असमिया जवानों ने बिहु नृत्य कर सभी अतिथियों को भाव विभोर कर दिया। दोनों राज्य के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राज गमछा पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने भी राज्यपाल को शाल पहनाकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन राजभवन के उप सचिव दीपक अग्रवाल ने दिया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव अमृत खलखो, दोनों राज्यों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पुरानी रंजिश के चलते युवक पर हसिया से हमला

रायपुर। गाम चरोदा में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक ने दूसरे युवक से गाली–गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवाा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी धनंजय मानिकपुरी 20 वर्ष ग्राम चरौदा का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी हेमंत सागवंशी ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली–गलौज कर हसिया से मारकर चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

कार चालक से मारपीट

रायपुर। निरंकारी फर्नीचर के पास बाइक सवार दो युवकों ने कार चालक से गाली–गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी नंदकुमार टंडन 33 वर्ष काली मंदिर के पास पंडरी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी कार से कहीं जा रहा था, तभी निरंकारी फर्नीचर के पास बाइक सवार अज्ञात दो युवक रॉग साइड से आ रहे थे। जिसे प्रार्थी ने ठीक से वाहन चलाने को कहा, तो आरोपियों ने प्रार्थी से गाली–गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 323, 506, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सरेआम शराब पीते 5 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार गंज पुलिस ने सम्राट टॉकीज के पास सरेआम शराब पीते आरोपी रमेश यादव 32 वर्ष, निहाल यदू 30 वर्ष व टाकेश्वर वैष्णव 37 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं गोलबाजार पुलिस ने आरोपी राहुल खुंटे 23 वर्ष व खरोरा पुलिस ने आरोपी दिनेश सोनवानी 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

हाथियों के डर से आठ घंटे जंगल के बीच झाड़ियों में दुबका रहा ग्रामीण, वन कर्मियों ने रेस्क्यू कर निकाला बाहर

कोरबा। कटघोरा वन मंडल के ग्राम गुरसियां में धान मिसाई कर शाम छह बजे घर वापस लौट चार ग्रामीणों का सामना 18 हाथियों के साथ हो गया। चारों डर के मारे भागने लगे। तीन ग्रामीण घर वापस लौट गए लेकिन एक ने जंगल के बीच झाड़ियों में शरण ले ली। आठ घंटे तक वह झाड़ियों में दुबका रहा। हाथियों को जगह से खदेड़ने के बाद वन कर्मियों ने रेस्क्यू कर ग्रामीण को बाहर निकाला। जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। खेतों में धान कटाई के बाद खलिहानों में रखे धान के आसपास मंडराने लगे है। गुरसियां निवासी प्यारे सिंह ने धान मिसाई के लिए करमन सिंह बांधापारा, राजकुमार गुरसियां, चंद्रभान और सरमिहा बिंझावार सेंद्रीमुड़ा को अपने घर बुलाया था। सुबह से शाम तक धान मिसाई का चलता रहा। काम पूरा होने के बाद चारों मजदूर घर वापस लौट रहे थे। वे सभी उमेंद सिंह के खेत के पास पहंचे ही थे कि 18 हाथी सामने से आते दिखाई दिए। हाथियों के दल को अचानक सामने पाकर चारों सिर पर पांव रखकर भागने लगे। करमन,राजकुमार व चंद्रभान ग्राम सेंद्रीमुड़ा की ओर भागे। वहीं सरमिहा बिंझवार 65 वर्ष जंगल की ओर भागा और झाड़ियों के बीच दुबक गया। देर रात तक सरमिहा के वापस नहीं लौटने पर उसके घर में कोहराम मच गया। लोगों को शंका होने लगी कि कहीं सरमिहा हाथी के चुंगल में तो नहीं फंस गया। मामले की सूचना ग्रामीणों ने वनपाल गुरबारी बाई को दी। उन्होने इसकी सूचना अपने साथी वन कर्मियों को दी। टीम के साथ पहुंचे वन कर्मियों ने पहले हाथियों दूसरी ओर खदेड़ा।

कर्मियों ने सरमिहा के नाम से आवाज देना शुरू किया। उधर सरमिहा ने भी खुद को झाड़ी में छपे होने की सूचना दी। देर रात तक झाड़ी में छुपे सरमिहा का स्वास्थ्य ठंड की वजह से बिगड़ गई थी। वह चलने में असमर्थ था। वन कर्मियों उसे कांधे पर उठाकर वापस बस्ती लाए और स्थानीय अस्पताल में इजाज कराया। तब कहीं लोगों ने राहत की सांस ली।

गैस सिलिंडर फटने से इलाके में हड़कंप...

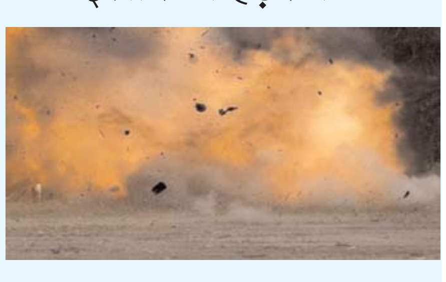

राजनांदगांव । कमला कॉलेज रोड स्थित एक दुकान में शनिवार को गैस सिलेंडर फटने से हड़कंप मच गया। घटना शनिवार रात 6:30 बजे घटी। अचानक एक के बाद एक दो गैस सिलेंडर फट गए। इसके बाद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। कारण स्पष्ट नहीं है। पुलिस भी मौके पर है. इलाके में बिजली भी गुल हो गई। शहर के कमला सिहारी कॉलेज के पास एक गुमटीनुमा दुकान में गैस सिलेंडर विस्फोट हो गया। खबर है कि शाम करीब 6:15 बजे एक के बाद एक एक सिलेंडर फट गए। घटना के बाद इलाके में भारी भीड़ जमा हो गयी। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। घटना कैसे हुई या इससे कितना नुकसान हुआ, इसकी अभी तक

निगम से बिना अनुमति बोर कराया तो लगेगा जुर्माना

बुलंद मीडिया,धमतरी

नगर निगम क्षेत्र में निवास कर रहे लोगों को अब निगम क्षेत्र में बोर कराने से पहले नगर निगम से पहले अनुमति लेनी पड़ेगी। ऐसा नहीं करने की स्थिति में अब निगम निगम द्वारा सीधे मकान मालिक पर कार्रवाई कर दी जाएगी। इसे लेकर नगर निगम द्वारा निर्देश जारी कर दिया गया है। नगर निगम बिना अनुमति के बोर करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी में है। निगम के अनुसार अपनी जमीन पर बोर खनन करने पर पहले नक्शा पास कराना होगा। फिर नगर निगम में आवेदन देकर बोर कराने की अनुमति लेनी होगी। स्वीकृति के बाद ही जमीन पर बोर करा सकेंगे। निगम आयुक्त विनय पोयाम ने बताया कि बोर कराने के पहले निगम को सूचना देना अनिवार्य है। परमिशन के बाद अपनी जमीन पर बोर करा सकते हैं। ग्रीष्म ऋतु में कलेक्टर की अनुमति व निगम की सहमति से बोर कराया जा सकता है। लोग शहर में धड़ल्ले से बोर कराकर मकान, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, अपार्टमेंट का निर्माण करा रहे हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। पहले निगम से मकान का नक्शा पास कराना होगा। गाइडलाइन के मुताबिक 1 अक्टूबर 2022 के अनुसार बोर कराने और पानी के उपयोग के संबंध में शासन को जानकारी देना आवश्यक है। जिसमें निजी बोर, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, उद्योग, कारखाने इस दायरे में आ गए हैं। गाइड लाइन में कहा गया है कि बिना अनुमति बोर खनन कर उपयोग करते पकड़े जाने पर जुर्माने का प्रावधान है। ज्ञात हो कि धमतरी शहर में लगातार भूजल स्तर नीचे गिरते जा रहा है। इसका मुख्य कारण बोर कराकर पानी का मनमाना उपयोग करना। हर साल गर्मी के सीजन में जलसंकट की स्थिति बन जाती है।

निगम से अनुमति लेना जरूरी है

बोर खनन के लिए अनुमति मिलने के बाद अपनी ही जमीन में बोर कराना आवश्यक है। नजूल भूमि या सड़क किनारे बोर कराना निगम एक्ट के विरूद्ध है। शहर के कई क्षेत्र में लोग अपनी जमीन को छोड़कर नजूल भूमि या आबादी में बोर कराकर बकायदा स्लेब से ढंक देते हैं जो अवैधानिक कृत्य में आता है।

आगामी वित्तीय वर्ष में छत्तीसगढ़ में 6,300 मेगावाट तक बढ़ेगी बिजली की खपत

कोरबा। केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग ने आगामी वित्तीय वर्ष में छत्तीसगढ़ में बिजली की खपत 6,300 मेगावाट तक पहुंचने का पूर्वानुमान लगाया है। तीन साल में पीक अवधि के दौरान बिजली की मांग में 958 मेगावाट की वृद्धि हुई है, यानी इस अवधि में करीब 19 प्रतिशत बिजली की मांग राज्य में बढ़ी है। घरेलू मांग के अलावा बिजली की खपत उद्योगों और खेती–किसानी में है। अधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य में चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर के बीच पीक अवर्स (शाम छह से रात नौ बजे तक) में बिजली की औसतन मांग 5,836 मेगावाट रही। जबकि वर्ष 2022–23 की समान अवधि में मांग 5,339 मेगावाट रही। इसके पहले वर्ष 2021– 22 में औसतन मांग 4,878 मेगावाट दर्ज की गई थी। छत्तीसगढ़ राज्य की जनसंख्या लगभग तीन करोड़ है। बीते तीन वर्ष के आंकड़े बता रहे हैं कि अधिकतम मांग अवधि यानी पीक पीरियड के दौरान विद्युत की खपत तेजी से बढ़ रही है। राज्य में बिजली की बढ़ती मांग की सबसे बड़ी वजह औद्योगिक और खेती की प्रगति है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के संयंत्रों से 2,980 मेगावाट बिजली पैदा होती है। राज्य को जरूरत की शेष बिजली केंद्रीय कोटे से मिलती है। आवश्यकता पड़ने पर बिजली सेंट्रल पूल से ओवरड्राल भी की जाती है। कंपनी को बिजली उत्पादन बढ़ाना होगा, नहीं तो अन्य राज्यों की बिजली पर निर्भरता बढ़ती जाएगी। राज्य सरकार ने पांच अलग- अलग जिलों में लगभग 7,700 मेगावाट पन बिजली बनाने के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर लिया है। इसके अलावा 1320 मेगावाट थर्मल पावर प्रोजेक्ट कोरबा पश्चिम में शिलान्यास भी किया जा चुका है।

तेंदुए ने बच्ची पर किया हमला...

गरियाबंद

जिले के छुरा थाना क्षेत्र के ग्राम रक्सी के नवाडीह में तेंदुए के हमले से एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंचा है। बताया जा रहा है कि खेत मे धान कटाई के काम चल रहा था इसी दरमियान तेंदुआ ने 3 साल की बच्ची अनिशा ध्रुव पिता झिरनराम ध्रुव पर हमला कर दिया। जिससे बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे प्राथमिक इलाज के लिए छुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया, जहां से उचित इलाज के लिए गरियाबंद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जहां उसका इलाज जारी है। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है, वहीं वन विभाग ने इलाके में हाई अलर्ट जारी किया है।

जिला एड्स नियंत्रण समिति नारायणपुर और पीरामल टिम के नेतृत्व में एड्स दिन का आयोजन

नारायणपुर

स्व. बद्रीनाथ बघेल जिला चिकित्सालय नारायणपुर में 1 दिसंबर को जागतिक एड्स दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राजू कुमार सिंह (क्क्ड), डॉ. डी.के. कश्यप, डॉ. ढोटे, डॉ. नाग, डॉ. परवा, डॉ. गुप्ता, स्वाति राव, सामंती, प्ब्ब् काउंसलर रीना पारकर, पिरामल टीम के मोहन झंझाड, विराज पांडे, सिकंदर माली, सत्य प्रकाश पाल, समर्थन सुशमा आदमणे(च्स्) और जीएनएम कॉलेज के स्टूडेंट्स शामिल थे। जागतिक एड्स दिवस के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जिला अस्पताल से एक रैली निकाली गई। इस रैली के माध्यम से लोगों में मौजूद एड्स के खिलाफ उनमें जो भी डर और गलतफहमियां थीं, उन्हें दूर करने का प्रयास किया गया। रैली के बाद, जीएनएम कॉलेज में वाद–विवाद स्पर्धा, रंगोली स्पर्धा, और निबंध लेखन स्पर्धा का आयोजन किया गया। पिरामल टीम के फेलो मोहन झांझड ने स्कूल में जाकर एचआईवी एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने और प्रशिक्षण देने का कार्य किया, जिससे लोगों को इस बीमारी के बारे में अधिक जानकारी मिली।

तेज रफ्तार पिकअप ने सीएएफजवान को मारी ठोकर,गभीर रूप से घायल

बुलंद मीडिया,जशपुर

छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवंबर को हुए मतदान के बाद आज यानी 03 दिसंबर को मतगणना की जा रही है। इसी बीच खबर मिली है कि मतगणना ड्यूटी में तैनात सीएएफ जवानों को तेज रफ्तार पिकअप ने ठोकर मार दिया है. तेज रफ्तार पिकअप स्टॉपर को टक्कर मारते हुए निकली. पिकअप से ठोकर लगने से तीन जवान घायल हो गए हैं, तो वहीं एक जवान का पैर टूट गया है। बता दें कि ये पूरा मामला जशपुर का है. प्रयास रेजीडेंशियल स्कूल के सामने नेशनल हाइवे पर ये हादसा हुआ है. पुलिस ने लोदाम के पास से पिकअप को बरामद कर लिया है. लेकिन उसमें चालक नहीं था वो फरार हो गया है।

फिर बढ़ी रेल यात्रियों की मुश्किलें रायपुर से गुजरने वाली पांच और ट्रेनें रद्द

रायपुर

छत्तीसगढ़ में ट्रेनें रद्द होने का सिलसिला लगातार जारी है। रेलवे आए दिन किसी न किसी बहाने यात्री गाड़ियो को रद्द कर रही है। इसी बीच यात्रियों की मुश्किलें खड़ी करने के लिए रेलवे ने एक बार फिर पांच और ट्रेनों को रद्द कर दिया है। कल जहां रेलवे ने 48 ट्रेनों को रद्द किया था वहीं, आज फिर पांच और ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों को आने–जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, भोपाल–इटारसी रेल खंड पर तीसरी रेल लाइन का काम चल रहा है, जिसके चलते ये ट्रेनें रद्द हुई हैं। पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल मण्डल के भोपाल–इटारसी रेल खंड पर बुदनी–बरखेड़ा (घाट सेक्शन) के मध्य तीसरी लाइन चालू करने के सम्बंध में बुदनी, मिडघाट, चौका एवं बरखेड़ा स्टेशनों पर प्री नॉन/नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना है । जिसके चलते दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली कुछ गाडियाँ प्रभावित रहेगी 7 जिसका विवरण नीचे दिया गया है ।

रद्द होने वाली गाडियां

1. दिनांक 06 एवं 07 दिसम्बर 2023 को निज़ामुद्दीन से चलने वाली 12410 निज़ामुद्दीन–रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस रद्द रहेगी । 2. दिनांक 08 एवं 09 दिसम्बर 2023 को रायगढ़ से चलने वाली 12409 रायगढ़–निज़ामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस रद्द रहेगी ।

3. दिनांक 06, 07 एवं 08 दिसम्बर 2023 को कोरबा से चलने वाली 18237 कोरबा–अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस रद्द रहेगी ।

4. दिनांक 08, 09 एवं 10 दिसम्बर 2023 को अमृतसर से चलने वाली 18238 अमृतसर–बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस रद्द रहेगी । 5. दिनांक 06 से 08 दिसम्बर 2023 तक बिलासपुर से चलने वाली 08210 बिलासपुर–कोरबा पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी ।

चोरी की घटना को अंजाम देने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर

प्रार्थी देवदत्त गुप्ता ने थाना टिकरापारा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह सिद्धार्थ चौंक टिकरापारा में रहता है तथा सतनाम चौंक में ओम साईनाथ ट्रेडर्स के नाम से कबाड़ी की दुकान का संचालन करता है। प्रार्थी दिनांक 26.08.2023 को रात्रि करीबन 09.30 बजे अपने कबाड़ी की दुकान को बंद कर शटर में ताला लगाकर अपने घर चला गया था। दिनांक 27.08.2023 को प्रात: करीबन 07.30 बजे दुकान का ताला खोलकर अंदर गया तो देखा कि उसके दुकान के पीछे का दरवाजा टूटा हुआ था दुकान का सामान बिखरा पड़ा था। जिस पर प्रार्थी द्वारा दुकान में रखे समानों की जांच की गई तो ज्ञात हुआ कि दुकान में रखें तांबा, पीतल का पुराना कबाड़ सामान, गल्ले में रखे एक नग चांदी का ब्रेसलेट एवं नगदी रकम नही था। कोई अज्ञात चोर प्रार्थी के दुकान के पीछे का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश कर उक्त मशरूका को चोरी कर फरार हो गया था। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना टिकरापारा में अपराध क्रमांक 647/23 457, 380, 34 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना टिकरापारा पुलिस की टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी तथा आस–पास के लोगों से विस्तृत पूछताछ करते हुए प्रकरण में संलिप्त अज्ञात आरोपी की लगातार पतासाजी की जा रही थी साथ ही प्रकरण में अज्ञात आरोपी के पतासाजी हेतु मुखबीर भी लगाये गये थे। इसी दौरान टीम के सदस्यों को घटना में संलिप्त आरोपी बिट्टू धुर्वे एवं वंश उइके उर्फ मोनू को पकड़कर घटना के संबधं में कड़ाई से पूछताछ करने पर उनके द्वारा चोरी की उक्त घटना को अंजाम देना बताया गया।

जिस पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 10 किलोग्राम तांबा, 01 चांदी का ब्रेसलेट तथा घटना में प्रयुक्त 01 नग लोहे का सब्बल जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया।

गिरफ्तार आरोपी–

1. बिट्टू धुर्वे पिता विष्णु धुर्वे उम्र 19 साल निवासी गुरूमुख सिंह नगर पचपेड़ी नाका न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर।

2. वंश उइके उर्फ मोनू पिता मूलचंद उइके उम्र 19 साल निवासी गुरूमुख सिंह नगर पचपेड़ी नाका न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर।

जंगल सफारी का हिरण बाड़ा पर्यटकों के लिए बंद

बुलंद मीडिया,रायपुर

राजधानी रायपुर के जंगल सफारी में पांच दिनों में 17 हिरणों (चौसिंगा) की मौत होने से हड़कंप मचा हुआ है। अब प्रबंधन ने संक्रमण के डर से पर्यटकों के लिए हिरण बाड़े को बंद कर दिया है, जबकि पर्यटक जू और सफारी के अन्य बाड़ों में घूम सकते हैं।

मरने वाले हिरणों की उम्र तीन माह से तीन वर्ष थी। दूसरी ओर अभी तक पता नहीं चल पाया है कि हिरणों की मौत किस वजह से हुई है। जंगल सफारी के सह संचालक वायके डहरिया ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि सफारी के सभी वन्यप्राणियों की जांच हो रही है। ऐहतियात के तौर पर हिरण बाड़े को ग्रीन नेट से घेराबंदी कर दिया गया, ताकि अन्य वन्यप्राणी बैक्टीरिया की चपेट में आने से बच सके। हालांकि मौत की वजह जानने के लिए हिरणों का बिसरा और खून जांच के लिए सैंपल आइवीआरआइ बरेली (उप्र) और देहरादून और अंजोरा (दुर्ग) के लैब भेजा है, लेकिन तीनों लैब से अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है कि आखिर इन हिरणों की मौत कैसी हुई है, जबकि वन अधिकारियों का कहना है कि हिरणों की मौत संक्रमण फैलने से हुई है। रिपोर्ट का इंतजार है। उसके आने के बाद ही पुष्टि हो पाएगी, हिरणों की मौत किस कारण से हुई है। उल्लेखनीय है कि चौसिंगा की मौत मामले में शुक्रवार को चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन सुधीर अग्रवाल जंगल सफारी पहुंचे। उन्होंने सफारी प्रबंधन से चौसिंगा की मौत की वजह जानने के अलावा अब तक की कार्रवाई के बारे में जानकारी ली। उनके मुताबिक शाकाहारी वन्यजीवों के बाड़े में घास की ज्यादा पैदावार करने के लिए हाल–फिलहाल में वहां पर नई मिट्टी डाली गई थी। आशंका है कि उस नई मिट्टी में मौजूद बैक्टीरिया से चौसिंगा की मौत हुई होगी।

हिरणों की मौत होने के बाद हरकत में आए जंगल सफारी प्रबंधन द्वारा प्रदेश के अलग–अलग जगहों से डाक्टर बुलाकर सभी वन्यप्राणियों की स्वास्थ्य की जांच करवाई जा रही है।

तेलंगाना जीत से कांग्रेस को दक्षिण भारत में हैं बड़ी उम्मीदें! इसलिए मान रही है पार्टी इसे संजीवनी

बुलंद मीडिया, नई दिल्ली

चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। दक्षिण भारत के गेटवे कहे जाने वाले राज्य तेलंगाना को छोड़कर कांग्रेस पार्टी को राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार गंवानी पड़ी। जबकि मध्यप्रदेश में पार्टी भाजपा की सरकार को नहीं हटा सकी। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना में सरकार बनाने के आंकड़े जुटा कर दक्षिण भारत के राज्यों में एक संजीवनी के तौर पर बड़ी सफ्लता मान रही है। पार्टी से जुड़े नेताओं का कहना है कि दक्षिण भारत में जिन कल्याणकारी योजनाओं के आधार पर कांग्रेस चुनाव जीत रही है, उसे पांच राज्यों में पार्टी को आने वाले लोकसभा चुनाव में न सिर्फ बड़ा फ़ायदा होने वाला है, बल्कि उसका संदेश भी जाने वाला है। वैसे तो रविवार को आए चार राज्यों के नतीजे कांग्रेस के लिहाज से निराशाजनक ही रहे, लेकिन तेलंगाना में सरकार बनाने के नंबर पाने के साथ पार्टी के रणनीतिकारों में बड़ी उत्सुकता है। कांग्रेस पार्टी कार्यालय में मौजूद पार्टी के वरिष्ठ नेता कहते हैं कि उनको हिंदी भाषी तीन राज्यों में बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा है। लेकिन वह तेलंगाना में जीत को पार्टी के लिए संजीवनी बताते हैं। उनका तर्क है कि तेलंगाना में जिस तरह से कांग्रेस पार्टी ने

एक स्थानीय पार्टी बीआरएस को हराया है, उसका असर दक्षिण के राज्यों पर पड़ना स्वाभाविक है। वह कहते हैं कि तेलंगाना में उन्होंने जनता के लिए जिन वायदों को सामने रखा था, वही आने वाले लोकसभा के चुनाव में दक्षिण भारत में कांग्रेस के लिए गेम चेंजर साबित होगा। हालांकि उनका कहना है कि अभी तेलंगाना के नतीजों के आधार पर रणनीति तो बनेगी, लेकिन उससे पहले हार की समीक्षा भी होगी। राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार किरण डी. कुमार कहते हैं कि दरअसल कांग्रेस तेलंगाना में सरकार बनाने के साथ खुद को दक्षिण के पांच राज्यों में बड़े विस्तार के फ़्लक के तौर पर देख रही है। वह कहते हैं कि तेलंगाना की विजय से कांग्रेस को आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में अपने बड़े सियासी जनाधार का अंदाजा लग रहा है। उनका कहना है दरअसल कांग्रेस ने कर्नाटक में जिन योजनाओं के आधार पर चुनाव लड़ा था, उसी तर्ज पर कांग्रेस ने तेलंगाना में भी अपनी सियासी बिसात बिछाई थी। पार्टी को उन योजनाओं के आधार और पर ही वोट मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है। किरण कहते हैं कि इन्हीं आधार पर पार्टी या आंध्र प्रदेश में भी लोकसभा चुनाव में सियासी बिसात बिछाएगी और तमिलनाडु में भी अपनी पार्टी को मजबूत करने के लिए इसी दांव को आगे रखेगी। कांग्रेस पार्टी से जुड़े नेता भी यह बात मानते हैं कि तेलंगाना में उनकी सरकार बनने का असर न सिर्फ आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में सीधे तौर पर दिखेगा, बल्कि केरल में भी पार्टी बड़ा प्रभाव डालने वाली है। पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेता कहते हैं कि आंध्र प्रदेश में तो निश्चित तौर पर उनकी पार्टी अब तेलंगाना के परिणामों के आधार पर अपनी सियासी बिसात बिछाएगी। रही बात आने वाले लोकसभा के चुनावों की, तो पार्टी के नेताओं का मानना है कि अभी कुछ दिनों के भीतर पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की समीक्षा होगी। उसके बाद जो सभी प्रमुख विपक्षी दलों का गठबंधन समूह INDI बनाया गया है।

सीएम योगी ने अफ़सरों को दिए निर्देश, कुंभ मेला के पहले पूरा करा लें एनएचएआई की सभी परियोजनाएं

एजेंसी,प्रयागराज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार शाम एनेक्सी भवन सभागार में एनएचएआई के यूपी में चल रहे प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा बैठक में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल डॉ. वीके सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में जारी एनएचएआई की परियोजनाओं की सिलसिलेवार समीक्षा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रयागराज में 2025 में होने वाले कुंभ मेला को देखते हुए इससे जुड़ी परियोजनाओं को नवंबर 2024 तक हर हाल में पूर्ण करा लें। साथ ही प्रदेश में राजमार्ग क्षमता का विस्तार करते हुए फोरलेन को सिक्सलेन में विस्तारित करें। उन्होंने कहा कि सुरक्षा को मजबूत करने के लिए राजमार्ग पर हर किलोमीटर के अंतराल पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। सीएम ने गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन को मार्च 2024 तक पूरा कराने और कार्यों के गुणवत्ता की जांच के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार शाम एनेक्सी भवन सभागार में एनएचएआई के यूपी में चल रहे प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा बैठक में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल डॉ. वीके सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में जारी एनएचएआई की परियोजनाओं की सिलसिलेवार समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश की रोड कनेक्टिविटी विश्वस्तरीय हुई है। इसे निरंतर गति देते हुए सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जनवरी 2025 में प्रयागराज में कुंभ का भव्य आयोजन होना है। लाखों की संख्या में यहां लोग पहुंचेंगे, सुलभ और सहज आवागमन के लिए रोड कनेक्टिविटी को और शानदार करना है। इसके लिए एनएचएआई प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं को प्राथमिकता पर रखते हुए समय सीमा के भीतर पूर्ण करा ले। सभी कार्य किसी भी दशा में नवंबर 2024 तक पूरे हो जाने चाहिए।

सार समाचार

बारात में पटाखा छोड़ने के दौरान घर में लगी भीषण आग

बिहार। पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी शहर के मुख्य मार्ग पर पानी टंकी के पास एक घर की दूसरी मंजिल पर रविवार की शाम भीषण आग लग गयी. प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक, आग बारात के दौरान फूटे पटाखों के कारण लगी। अनुमान है कि इस घटना से लाखों पाउंड की संपत्ति नष्ट हो जायेगी. आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची और तीन दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। निवासियों ने बताया कि आग लगने के समय एक बारात मुख्य सड़क पार कर रही थी। जिस दौरान खूब आतिशबाजी की गई। चिंगारी मनीष कुमार के घर की दूसरी मंजिल पर गिरी और आग लग गयी. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

लखनऊ में लोकेंद्र सिंह को मिला पं. प्रताप नारायण मिश्र स्मृतिः युवा साहित्यकार सम्मान

भोपाल। मध्यप्रदेश के साहित्यकार एवं पत्रकार लोकेंद्र सिंह को लखनऊ में आयोजित सम्मान समारोह में भाऊराव देवरस न्यास, लखनऊ की ओर से पत्रकारिता विधा में 'पं. प्रतापनारायण मिश्र स्मृतिङ्क युवा साहित्यकार सम्मानङ्क2023' प्राप्त हुआ। यह सम्मान उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, वन एवं पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह, न्यास के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश गोयल, सचिव राहुल सिंह और संयोजक प्रो. विजय कर्ण द्वारा प्रदान किया गया। वर्तमान लोकेंद्र सिंह माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में सहायक प्राध्यापक हैं।

कांग्रेस को जनता ने दी मात, तीन राज्यों में भाजपा की सफलता पर बोले: योगी आदित्यनाथ

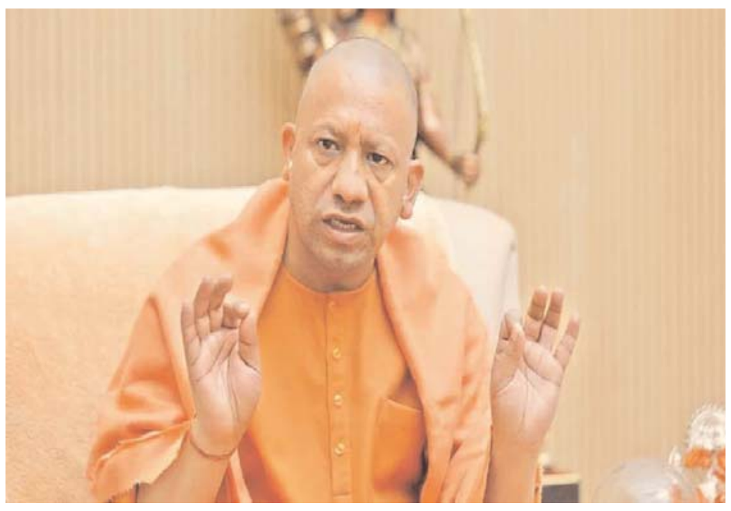

नई दिल्ली

रविवार को हुई चुनावी मतगणना में मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा ने जीत हासिल की। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी नेतृत्व को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, मार्गदर्शन और विकास के मॉडल को जनता ने स्वीकार किया है।

लोकसभा चुनाव में जनता देगी पीएम मोदी को समर्थन

सीएम आदित्यनाथ ने कहा, मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जो सफ्लता मिली है। कांग्रेस को जनता ने मात दी। यह दर्शाता है कि लोकसभा चुनाव में देश जनता तीसरी बार मोदी जी के नेतृत्व का समर्थन करेगी।

जनता के विश्वास की गारंटी की जीत

इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने एक्स हैंडल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मिली जीत बताया। उन्होंने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर लिखा कि पीएम मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में तीन राज्यों में भाजपा का बहुमत से हैट्रिक लगना 'मोदी की गारंटी' पर 'जनता' के विश्वास की गारंटी है।

आपणो अग्रणी राजस्थान की चाह रखने वालों को बधाई

राजस्थान की जीत पर योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि वीरभूमि में भारी मतों से विजय की समस्त कार्यकर्ताओं को बधाई और जनता का अभिनंदन। यह एतिहासिक जीत प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन, नेतृत्व, लोक-कल्याणकारी विजन और समग्र विकास के संकल्प का अटूट विश्वास का प्रतीक है।

मप्र के विराट विजय पर मुहर

यूपी सीएम ने मध्यप्रदेश में भाजपा की जीत पर लिखा कि विराट विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व के प्रति अटूट जन विश्वास पर मुहर लगी है। डबल इंजन सरकार के सुशासन, सुरक्षा और विकास को समर्पित इस जीत की कार्यकर्ताओं और प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं।

आखिर कैसे किया जाता है चक्रवाती तूफ़ानों का नामकरण, किसकों दी जाती है नाम रखने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। हिंद महासागर में एक बार फ़िर से चक्रवात आने वाला है जो दक्षिण भारत के तटों से टकराने वाले है। इस चक्रवात का नाम माइचौंग है। हम हमेशा देखते हैं हर चक्रवात का नाम अलग अलग होता है। आखिर ऐसा क्यों होता हैं? माइचौंग के नाम का क्या मतबल बै और ये नाम आखिर चक्रवात को किसने दिया। इस तमाम बातों के बार में हम आज जानेंगे। म्यांमार ने 'माइचौंग' नाम प्रस्तावित किया जो दृढ़ता और लचीलेपन को दर्शाता है। यह चक्रवात, 2023 में हिंद महासागर में बनने वाला छठा और बंगाल की खाड़ी में बनने वाला चौथा चक्रवाती तूफ़ान होगा। प्रत्येक उष्णकटिबंधीय चक्रवात बेसिन को वैकल्पिक रूप से निर्दिष्ट नामों की सूची विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) द्वारा प्रबंधित की जाती है। दुनिया भर में विभिन्न महासागरीय घाटियों में बनने वाले चक्रवातों को क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्रों (आरएसएमसी) और कुछ क्षेत्रों में उष्णकटिबंधीय चक्रवात चेतावनी केंद्रों (टीसीडब्ल्यूसी) द्वारा नाम दिए जाते हैं। इस प्रक्रिया की देखरेख दुनिया भर में छह आरएसएमसी द्वारा की जाती है।

फिलीपीन में आया जोरदार भूकंप, हिली धरती एक महिला की मौत, सुनामी की चेतावनी जारी

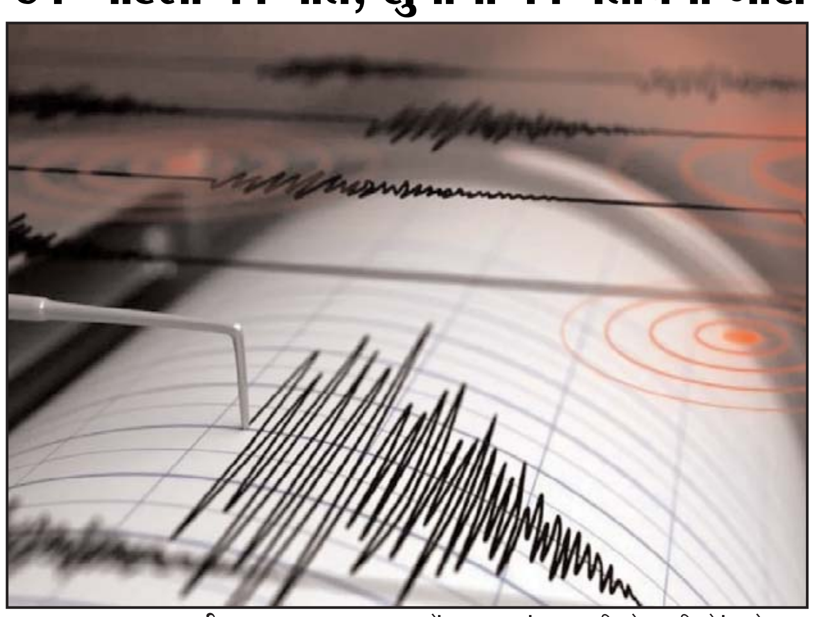

मनीला

दक्षिणी फिलीपीन में तेज भूकंप के कारण एक महिला की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। भूकंप के कारण सुनामी की चेतावनी जारी किए जाने के बाद लोग घबराकर अपने घरों से बाहर भागे। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि शनिवार रात आए भूकंप की तीव्रता 7.6 थी और इसका केंद्र 32 किलोमीटर की गहराई में था। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि उसे दक्षिणी फिलीपीन और इंडोनेशिया, पलाऊ और मलेशिया के कुछ हिस्सों में सुनामी आने की आशंका है, लेकिन बाद में इसने सुनामी की चेतावनी को वापस ले लिया। फिलीपीन के दावाओ डेल नॉर्ट प्रांत के टैगम शहर के आपदा-शमन प्रमुख शील्डन इसिडोरो ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि भूकंप के चलते शहर में एक गर्भवती महिला की मौत हो गई।

चुनावी नतीजों के बाद रेवंत रेड्डी से मिलने पहुंचे तेलंगाना पुलिस महानिदेश, चुनाव आयोग किया निलंबित

नई दिल्ली

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का परिणाम आज जारी हुआ। जहां भाजपा ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में बढ़त बना ली है तो वहीं तेलंगाना में पहली बार कांग्रेस सरकार बना रही है। तेलंगाना की कुल 119 सीटों में कांग्रेस 65 पर आगे चल रही है। इसी बीच चुनाव आयोग ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक अंजनी सिंह को निलंबित कर दिया है। दरअसल, अंजनी सिंह पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। तेलंगाना में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत के बाद अब राज्य को रेवंत रेड्डी के तौर पर नया मुख्यमंत्री मिलने वाला है। चुनावी नतीजे जारी होने के बाद राज्य के पुलिस महानिदेशक, राज्य पुलिस नोडल अधिकारी संजय जैन और नोडल महेश भागवत रेवंत रेड्डी से मुलाकात करने उनके आवास पहुंचे। हैदराबाद में रेवंत रेड्डी के आवास पर पुलिस अधिकारियों ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता देकर बधाई दी। बता दें कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 65 सीटों पर, सत्तारूढ़ पार्टी बीआरएस 38 सीट पर आगे है।

अजित पवार के 'इस्तीफे पर प्रदर्शन' वाले आरोपों का शरद पवार ने दिया जवाब, जानें क्या कहा

एजेंसी,महाराष्ट्र

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष शरद पवार ने आज पुणे में एनसीपी के युवा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में शरद पवार ने अपनी पार्टी के सभी युवा कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव के लिए तैयार रहने की सलाह दी। इतना ही नहीं कुछ दिन पहले उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा पार्टी के विधायकों के एक बड़े समूह के साथ पार्टी तोड़ने पर भी निशाना साधा। शरद पवार ने अजित गुट की बगावत को लेकर ह्ष्टक्क के युवा कार्यकर्ताओं से कहा कि युवाओं को इस घटना को ज्यादा तूल देने की जरूरत नहीं है। इसके साथ शरद पवार ने अजित पवार द्वारा इस्तीफे वाले आरोप पर भी जवाब दिया। एनसीपी पर किसका होगा कब्जा, शरद पवार और अजित पवार मामले की आज होगी सुनवाई अजित पवार के आरोपों पर बोले शरद पवार इस दौरान शरद पवार ने ये भी कहा कि राज्य के कई इलाकों में सूखा है और कुछ इलाकों में बेमौसम बारिश से फ़्सलों का नुकसान हुआ है। राज्य सरकार जो सर्वे कर रही है उसकी गति बहुत धीमी है उसका वेग बढ़ाये जाने की जरूरत है। अजित पवार के आरोपों पर एनसीपी प्रमुख ने कहा कि कुछ बातें मुझे नए सिरे से पता चलीं। अजित पवार की भूमिका मेरी भूमिका से मिलती जुलती नहीं है। इस्तीफ़ देने का फैसला सामूहिक तौर पर हुआ था। मेरा निर्णय, मुझे खुद लेने की कूवत है। हमारी भूमिका भाजपा के साथ जाने की नहीं थी। शरद पवार ने कहा कि मैं महाराष्ट्र की राजनीति में लोगों के साथ बीते 60 साल से काम कर रहा हूं। मुझे महाराष्ट्र में किसी के घर पर जाने के लिए किसी की अनुमति की जरूरत नहीं। जो लोग ये दावे कर रहे हैं।

कांग्रेस की बुरी हार पर जदयू ने झाड़ा पल्ला, राहुल गांधी को टेंशन देने वाली बात बड़ी बात कह दी

नई दिल्ली

चार में से तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद अब इंडी गठबंधन के नेताओं का बयान सामने आने लगा है। सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने में अगुवा की भूमिका निभाने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड ने कांग्रेस की हार को इंडी गठबंधन की हार मानने से इनकार कर दिया है। जदयू का कहना है कि कांग्रेस ने राज्य चुनावों में इंडी गठबंधन के सभी घटकों को साथ नहीं लेकर गलती की है।

कांग्रेस पार्टी अपने बलबूते पर भाजपा को पराजित नहीं कर सकती

जेडीयू के वरीय नेता और मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि कहा कि यह नतीजे बेहतर भी हो सकते थे। इसको इंडी गठबंधन से मत जोड़िये। इंडी गठबंधन चुनाव में कहीं नहीं था। सिर्फ कांग्रेस पार्टी चुनाव लड़ रही थी। यह इलाके कांग्रेस पार्टी के गढ़ माने जाते है। पिछले चुनाव में भी इन तीनों राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी थी। लिहाजा यह भाजपा की जीत और कांग्रेस की हार है। इसका इंडी गठबंधन से कोई रिश्ता नहीं है। कांग्रेस ने चुनाव से पहले अपने घटक दलों से दूरी बना ली थी। वह इन राज्यों में किसी और दल के उपस्थिति के पक्ष में नहीं थी। जदयू, राजद और सपा ने भी प्रयास किया कि नॉमिनल नॉमिनेशन इन दलों को मिलना चाहिए। समाजवादी आंदोलन का इन इलाकों में काफी असर रहा है। अखिलेश यादव और ललन सिंह प्रयासरत थे। अब यह तय हो गया है कि कांग्रेस पार्टी अपने बलबूते पर भाजपा को पराजित नहीं कर सकती है। क्षेत्रीय दल जो बेहतर स्थिति में हैं, उन्हें कांग्रेस को साथ देना चाहिए। क्षेत्रिय अस्मिता की दल अपने-अपने राज्य में बेहतर करेंगे और भाजपा को चुनौती देंगे। मल्लिकार्जुन खरगे ने 6 दिसंबर को इंडी गठबंधन की बैठक बुलाई है। राष्ट्रीय राजनीति के लिए सकारात्मक संकेत की ओर इशारा बिहार सरकार के मंत्री और सीएम नीतीश कुमार के करीबी विजय चौधरी ने कहा कि उन्होंने कहा कि आम तौर पर सवाल नतीजे आने के बाद ही पूछे जाने चाहिए, न कि तब जब हमारे पास केवल रुझान हों। फिर भी, यह कहा जा सकता है कि रुझान राष्ट्रीय राजनीति के लिए सकारात्मक संकेत की ओर इशारा करते हैं। एमपी में चार सीट पर तो सौ वोट भी नहीं ला पाए जदयू प्रत्याशी दरअसल, सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने दस सीट पर अपने उम्मीदवार घोषित किए थे। इनमें से नौ सीटों पर जदयू के प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत आजमाई। नरयोली सीट पर उम्मीदवार की घोषणा के बाद भी जदयू चुनाव नहीं लड़ सकी। लेकिन, अब तक आए चुनाव रुझान के अनुसार, सभी सीटों पर निराशा ही हाथ लगी।

संक्षिप्त खबरें...

धान खरीदी केंन्द्रो व चेकपोस्ट की लगातार हो रही निगरानी

मोहला। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में खाद्य विभाग के अधिकारियों के द्वारा कोचियों बिचौलियों का धान समिति में ना खापाया जा सके इस बात को ध्यान में रखते हुये लगातार धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान धान उपार्जन केंद्र अंबागढ़ चौकी में माहुद निवासी रोशन बोरकर के द्वारा अपनी ऋण पुस्तिका में धान खपाने के लिए 118 कट्टा कोचिया का धान लाया गया जिसे मौके पर जप्त कर समिति प्रबंधक अं.चौकी के सुपुर्द किया गया। इस कार्यवाही में खाद्य अधिकारी आशीष रामटेके, खाद्य निरीक्षक विश्वनाथ एवं हेमंत नायक तथा संदीप कसेर, दिनेश सलामें में उपस्थित थे। खाद्य विभाग, राजस्व व पुलिस विभाग की और से अवैध धान की आवक जिले में ना हो, इस बात की निगरानी करते हुये जिले की सीमा में बने हुए चेक पोस्ट में वाहनों की जांच की जा रही है। इस दौरान सीमावर्ती चेकपोस्ट कोरचाटोला में रात को विभागीय अधिकारियों की ओर से वाहनों की जांच की गई। जिले में खरीदी केंन्द्रों में अब तक 31413 मैट्रिक टन धान की आवक हो गई है। इसके निराकरण के लिए 6120 मैट्रिक टन डी.ओ जारी कर लगातार धान का उठाव किया जा रहा है। अन्य जिले दुर्ग, राजनांदगांव, रायपुर, धमतरी, बालोद के मिलरों के द्वारा भी शीघ्र धान उठाव प्रारंभ किया जाएगा, शासन की ओर से कृषकों को धान बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत ना आये इस बात का ध्यान रखा जा रहा है।

अभ्यर्थी को अपने निर्वाचन व्यय की लेखा समाधान करने दिया जाएगा का एक और अवसर

मोहला । विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतगणना परिणाम की घोषणा के 26 वें दिन जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा लेखा समाधान बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें अभ्यर्थी को अपने निर्वाचन व्यय की न्यूनोक्त राशि, यदि कोई है, का लेखा समाधान करने का एक और अवसर दिया जाएगा। उक्त बैठक की सूचना जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रत्येक अभ्यर्थी को परिणाम की घोषणा के दिन या उस दिन तक इस बैठक के बारे में लिखित रूप में सूचित किया जाएगा। ताकि अभ्यर्थी या उसके एजेंट बैठक में उपस्थित हो सकें और निर्वाचन व्यय के अपने लेखे में निर्वाचन व्यय की विवादित मदों का लेखा समाधान कर सकें। आयोग द्वारा जारी निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण पर अनुदेशकों का सार संग्रह अगस्त 2023 को जिले में पूर्व में ही निर्वाचन कार्यालय द्वारा प्रेषित की जा चुकी है। तद्संबंध में लोग प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 78 के अनुसार निर्वाचन लडऩे वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को निर्वाचन के परिणाम घोषित होने के 30 दिन के अंदर जिला निर्वाचन अधिकारी के पास अपने निर्वाचन व्ययों के लेखे की सही प्रतिलिपि दाखिल करनी होती है। जिला निर्वाचन अधिकारी परिणाम की घोषणा की तारीख से 37 वें दिन तक अंतिम रूप देंगे तथा निर्धारित प्रारूप में 38 वें दिन तक कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को प्रेषित करेंगें। प्रत्याशियों द्वारा व्यय लेखा प्रस्तुत करने पर अभ्यर्थीवार संवीक्षा रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के 03 दिवस के भीतर ई.ई.एम.एस सॉफ्टवेयर में डाटा प्रविष्ट कराया जाएगा। इस कार्य में किसी भी प्रकार का विलंब ना हो इसका ध्यान रखने कहा गया है। आयोग द्वारा जारी आदेश निर्देशों का अक्षरश: पालन करते हुए अभ्यर्थीयों के निर्वाचन व्यय लेखे, संलग्न निर्धारित प्रारूप में 02 प्रतियों में विशेष वाहक से अनिवार्यत: प्रस्तुत करने कहा गया है। जिससे समय सीमा में जानकारी आयोग को प्रेषित की जा सकें।

जनरेटर को नक्सलियों ने फूंका, सुकमा में मुठभेड़ भी हुई

सुकमा। मतगणना के ठीक पहले नक्सलियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराया है. सुकमा में देर रात पुलिस और नक्सलियों की बीच गोलीबारी हुई है. इस गोलीबारी में सड़क निर्माण के लिए लगे प्लांट को नुकसान पहुंच गया है ।जिससे चिंतलनार थाना के सामने स्थित प्लांट में रखे जनरेटर में आग लग गई है. प्लांट कर्मचारियों के अनुसार, 9 से 12 बजे के बीच नक्सलियों ने यहां जमकर उत्पात मचाया है. इस मामने में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है ।

स्वस्थ लोकतंत्र की खूबसूरती में मीडिया का अहम रोल: प्रेक्षक

बुलंद मीडिया, कोरिया

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने विधानसभा निर्वाचन बैकुंठपुर में मतगणना को लेकर प्रेस वार्ता लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। इस अवसर पर उपस्थित सामान्य प्रेक्षक नारायण चन्द्र सरकार ने मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा कि 17 नवम्बर को हुए मतदान में जिस तरह से मीडिया ने सहयोग किया है, इसी तरह 3 दिसम्बर को भी सकारात्मक सहयोग मिलेगा। उन्होंने स्वस्थ लोकतंत्र में मीडिया को महत्वपूर्ण योगदान बताया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में श्री लंगेह ने कहा कि 17 नवम्बर को मतदान सम्पन्न हुआ था मतगणना पूर्व की गई तैयारियां के बारे में जानकारी देते हुए कहा मतगणना स्थल शासकीय आदर्श रामानुज हायर सेकेंडरी स्कूल को बनाया गया है। मतगणना पश्चात सीयू को स्ट्रांग रूम कक्ष में सील किया जायेगा और शासकीय आदर्श रामानुज हायर सेकेण्डरी स्कूल स्थित स्ट्रांग रूम में रखा जायेगा। पोस्टल बैलेट एवं ईटीपीबीएस की संख्यात्मक जानकारी देते हुए बताया कि अब–तक निर्वाचन ड्यूटी पर तैनात 824

मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट का उपयोग किया। डाक से प्राप्त 29 मतपत्र हैं। 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के मतदाता व 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 139 है जबकि अनिवार्य सेवा के 31 मतदाताओं के मतपत्र डाक से प्राप्त हुए हैं। इस तरह अब–तक 1023 मतदाताओं के मतपत्र पोस्टल बैलेट के माध्यम प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी श्री लंगेह ने बताया कि मतगणना हाल में पोस्टल बैलेट गणना के लिए 3 टेबल व ईवीएम गणना हेतु 14 टेबल तथा अंत में रेण्डम 5 व्ही.व्ही.पैट मशीनों की गणना हेतु एक टेबल लगाया जाएगा। मतगणना स्थल तक जाने के लिए तीन स्तर पर घेरे बनाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक विधानसभा क्रमांक 3 बैकुण्ठपुर के कुल 228 मतदान केन्द्र की गणना 17 राउंड में होगा और प्रत्येक चरण की घोषणा रिटर्निंग अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट प्रतिबंध

प्रेस वार्ता में बताया कि आयोग के निर्देशानुसार मतगणना हॉल में मोबाइल फोन, पेन, स्मार्ट वॉच, डिजिटल कैमरा, लैपटॉप, पेनड्राइव व किसी भी तरह की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस–गैजेट सुरक्षा व गोपनीयता को देखते हुए उक्त उपकरण ले जाने की मनाही की गई है। कलेक्टर लंगेह ने बताया कि प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकार पत्र जारी की गई है, उसी आधार पर मतगणना स्थल पर अवलोकन की अनुमति मिलेगी। जिला निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त अधिकारी 17(सी) भाग 2 की फोटोकॉपी कर काउंटिंग एजेंट व मीडिया प्रतिनिधि को प्रति उपलब्ध कराई जाएगी। जुलूस–रैली में डीजे (डिस्क जॉकी) के उपयोग के सवाल पर श्री लंगेह ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश पर किसी भी तरह के डीजे चलाने की अनुमति नहीं होगी।

श्रमजीवी पत्रकारों का दीपावली मिलन समारोह

भिलाई ,

छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ दुर्ग संभाग द्वारा दिवाली मिलन समारोह का आयोजन सुपेला स्थित होटल अमित पार्क में किया गया । वहीं नगर के वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार तथा छत्तीसगढी एवं भोजपूरी फिल्मों के अभिनेता व गीतकार शमशीर सिवानी का केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अवस्थी थे। अध्यक्षता छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के दुर्ग संभाग अध्यक्ष छगन साहू ने की वही विशेष अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के दुर्ग जिला अध्यक्ष राफेल थॉमस ,बालोद जिला अध्यक्ष विवेक वैष्णव ,बेमेतरा जिला अध्यक्ष जितेंद्र शुक्ला, बेमेतरा जिला महासचिव ए आर तिवारी ,दुर्ग जिला महासचिव दिनेश पुरवार उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलंन कर किया गया। स्वागत भाषण वरिष्ठ पत्रकार ललित साहू ने दिया। कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरविंद अवस्थी जी ने कहा कि पत्रकारों की एकता व संगठन की मजबूती के लिए इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए। जिससे संगठन की सक्रियता से पत्रकारों को आत्मबल मिलता है पत्रकारों में संगठन के प्रति विश्वास और उम्मीद बढ़ती है। उन्होंने छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार

संघ के द्वारा किए गए प्रदेश भर के पत्रकारों के लिए पत्रकार हित में किए गए कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में विशेष अतिथि बेमेतरा जिला अध्यक्ष जितेंद्र शुक्ला, बालोद जिला अध्यक्ष विवेक वैष्णव ,दुर्ग जिला अध्यक्ष राफेल थॉमस ,जिला महासचिव दिनेश पुरवार ने भी अपने विचार व्यक्त कर अपने अनुभव को साझा किया। कार्यक्रम के अंत में छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अवस्थी के माता श्री के पूर्व में हुए निधन पर सभी पत्रकारों ने अपने–अपने स्थल पर खड़े होकर मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि सहित समस्त अतिथियों का सम्मान स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान गीत संगीत की प्रस्तुति देने वाले गायक कलाकार टी विशाल व संदीप के गायकी को सराहते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। वरिष्ठ पत्रकारों एवं विशेष सहयोग करने वाले पत्रकारों का सम्मान स्मृति चिन्ह देकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन संभाग अध्यक्ष छगन साहू ने किया व आभार प्रदर्शन जिला महासचिव दिनेश पुरवार ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ललित साहू ,शमशेर खान, डॉक्टर पीलेश्वर साहू, शमशीर सिवानी, हरप्रीत भाटिया, हेमलता निषाद ,लोकेश साहू ,आशीष तिवारी, वीणा दुबे, सोनम साहू ,खेमचंद देवांगन ,अश्विनी जांगड़े ,ऐश्वर्या, राजा स्वर्णकार, शैलेंद्र कुमार निर्मलकर ,मुकेश ताम्रकार ,निकेत ताम्रकार ,अभिषेक शावल, हर्ष सोनी ,कल्याणी साहू उमेश बंजारे हेमंत उम्र कृष्णकांत साहू ,सुनील पांडे, भूपेंद्र सिंह ,पवन साहु, हेमलता निषाद,योगेंद्र साहू,सुधीर सोनी,सोनल साहु, घनश्याम सहित तमाम पत्रकार गण इस मौके पर विशेष रूप से उपस्थित थे।

नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों की ठगी आरोपी गिरफ्तार

बुलंद मीडिया, अम्बिकांपुर

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी में आपरेटर की नौकरी लगवाने का झांसा देकर तीन लाख की ठगी करने के आरोप में शंकरगढ़ पुलिस ने भाजपा नेता सेतराम बड़ा को गिरफ्तार कर न्यायिक डिमांड पर भेज दिया है। आरोपित सेतराम बड़ा भाजपा सरगुजा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के उपाध्यक्ष हैं। वे पूर्व में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ से जुड़े हुए थे। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ की टिकट पर उन्होंने वर्ष 2018 में सीतापुर विधानसभा का चुनाव भी लड़ा था। बाद में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। संगठन ने भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा में जिम्मेदारी दी थी। शंकरगढ़ थाना प्रभारी जितेंद्र सोनी ने बताया कि शंकरगढ़ निवासी अनिल कुमार खाखा ने सेतराम बड़ा के विरुद्ध लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उनका कहना था कि सेतराम बड़ा ने छत्तीसगढ़

राज्य विद्युत वितरण कंपनी में आपरेटर की नौकरी लगवाने का आश्वासन दिया था। इसके एवज में तीन लाख रुपये की मांग की थी। थाना प्रभारी के मुताबिक प्रार्थी ने तीन किस्त में एक–एक लाख रुपए सेतराम बड़ा को दिए थे। बिजली आपरेटर की नौकरी नहीं लगने पर जब प्रार्थी ने रूपयों की मांग की तो आरोपित देने से इनकार करने लगा।तब प्रार्थी ने पुलिस से लिखित शिकायत की थी। लिखित शिकायत की जांच में आरोप प्रमाणित पाए गए आरोपित सेतराम बड़ा के विरुद्ध धोखाधड़ी का अपराध पंजीकृत किया गया था। उसकी तलाश की जा रही थी। आखिरकार उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

विश्व एड्स दिवस मनाकर एचआईवी व एड्स बीमारी के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

गरियाबंद

कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में 1 दिसम्बर 2023 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यमों से लोगों को एड्स और एचआईवी बीमारी के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग व शास. वीर सुरेन्द्रसाय महाविद्यालय गरियाबंद के छात्र–छात्राओं के द्वारा जन–जागरूकता रैली निकाला गया। रैली को डॉ के.सी.उरांव सीएमएचओ, डॉ डी.एन.नाग, सिविल सर्जन, डॉ.अमन हुमने नोडल अधिकारी (एड्स), सोनल ध्रुव, डीपीएम, द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया गया। रैली जिला चिकित्सालय से निकल कर शास. वीर सुरेन्द्रसाय महाविद्यालय गरियाबंद तक निकाली गयी। जिसके पश्चात कॉलेज परिसर में एड्स रोग की समस्या एवं

समाधान विषय पर संगोष्ठी, स्वास्थ्य परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी,रंगोली,पोस्टर प्रतियोगिता एवं एच.आई.व्ही. जांच एवं ब्लड ग्रुप जॉच कैम्प का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम जिला नोडल अधिकारी की ओर से संबोधित करते हुए बताया गया कि इस वर्ष 2023 का थीम ''समुदाय को नेतृत्व करने दे '' थीम के माध्यम से बताने का प्रयास किया गया कि एच.आई.व्ही. के साथ जी रहे समुदाय को आगे आकर नेतृत्व करने का समान अवसर प्रदान करे। ताकि वे समाज में सामान्य जीवन यापन कर सके। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर लोगों को एच.आई.व्ही एड्स संक्रमण फेलने के कारण जैसे असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई, संक्रमित रक्त संचरण एवं संक्रमित माता से गर्भस्थ शिशु को होने के खतरे के बारे में जानकारी दी गई। सोनल ध्रुव डीपीएम के द्वारा कार्यक्रम संबोधित करते हुए बताया जानकारी ही बचाव है, सभी अपनी एच.आई.व्ही. की स्थिति जानकारी होना जरूरी है। खास कर गर्भवती महिला को गर्भावस्था में अनिवार्य रूप से जांच कराना चाहिए, ताकि नवजात शिशु को नेवरापिन सिरप का डोज देकर एच.आई.व्ही. संक्रमण से बचाया जा सके। उक्त कार्यक्रम में एच.आई.व्ही. जांच एवं ब्लड ग्रुप जॉच कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें 95 छात्र –छात्राओं एवं स्टॉफ का ब्लड ग्रुप एवं एच.आई.व्ही. जांच कराया गया व शिवम कालेज ऑफ नर्सिग के छात्र –छात्राओं छात्र –छात्राओं द्वारा नुक्कड नाटक के माध्यम से एच.आई.व्ही. के रोकथाम के लिए संदेश दिया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी, एड्स विषय पर परिचर्चा एवं भाषण कार्यक्रम, रंगोली, पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित किया गया। भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी छात्र –छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार वितरित किया गया। समस्त छात्र छात्राओं ने अति उत्साह से कार्यक्रम में भागीदारी दी। उक्त कार्यक्रम का संचालन विजय गजघाटे के द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का सफल बनाने में डॉ. प्रभात रंजन, सहायक प्रध्यापक,डॉ. देवेन्द्र साहू, प्रेमानंद महिलांग सहायक प्राध्यापक, अमृत भोसले, भूपेश साहू भारत ठाकुर, धीरज शर्मा, टीकेश साहू, लालजी साहू, राजरानी साहू, सतरूपा चंद्राकर ,निखिल एवं समस्त कर्मचारियों का भरपूर सहयोग रहा।

हाथियों ने फिर एक ग्रामीण को कुचल कर उतारा मौत के घाट

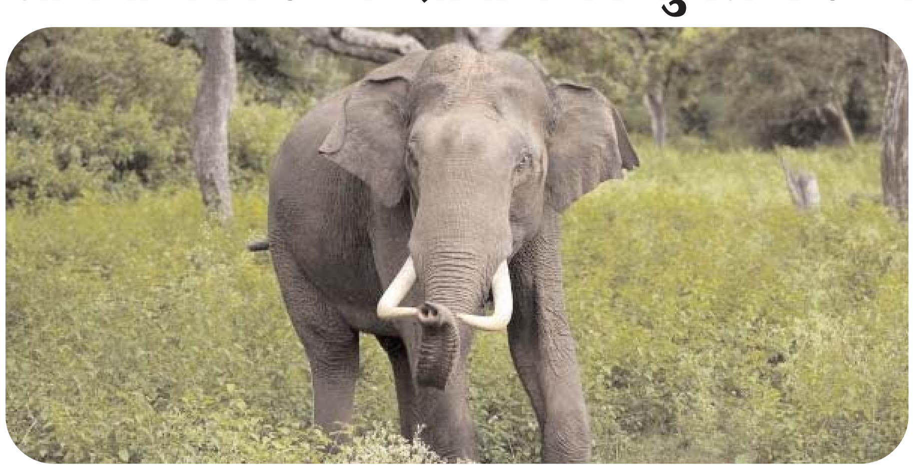

बलरामपुर,बुलंद मीडिया

जिले के शंकरगढ वन परिक्षेत्र में लगातार दूसरे दिन जंगली हाथियों के हमले से ग्रामीण की मौत हो गई। एक सप्ताह के भीतर हाथियों के हमले से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। लगातार घटनाओं के बाद भी वन विभाग की ओर से जनहानि रोकने जमीनी स्तर पर सार्थक प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। जंगली हाथियों की सही तरीके से निगरानी नहीं होने और ग्रामीणों को उस अनुरूप सतर्क नहीं करने के कारण घटनाएं हो रही है। बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम परसाढोडी में शनिवार भोर में हाथियों ने एक ग्रामीण को कुचल कर मार डाला। मृतक भोर में खेत की ओर जा रहा था इसी दौरान क्षेत्र में घूम रहे हाथियों के दल से उसका सामना हो गया। हाथियों ने उसे कुचलकर मार दिया। इस घटना की जानकारी पर वन विभाग की टीम सुबह गांव पहुंची और मृतक के स्वजन को तत्कालीन सहायता राशि दी। घटना की सूचना पर पुलिस टीम भी गांव पहुंची थी। शुक्रवार को ही इसी दल से बिछड़े एक हाथी ने ग्राम पंचायत दोहना के आश्रित ग्राम पतराटोली में भी एक महिला को मार दिया था। हाथियों ने उसके शव के दो टुकड़े कर दिए थे। दी दिन के भीतर हाथियों के कारण जनहानि की दो घटनाओं से ग्रामीणों में नाराजगी है। आरोप लगाया जा रहा है कि वन विभाग हाथियों की सही तरीके से निगरानी नहीं कर रहा है। हाथियों की सतत निगरानी कर उनके विचरण क्षेत्र में ग्रामीणों को सतर्क करने से ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता है लेकिन गांव वालों को पता ही नहीं चल पा रहा है कि हाथी किस ओर विचरण कर रहे हैं। हाथियों से आमना सामना हो जाने के कारण जनहानि की घटनाएं हो रही हैं। इसी वन परिक्षेत्र में एक सप्ताह के भीतर हाथियों ने तीन लोगों को मौत के घाट उतार दिया है।

मवेशियों को पिकअप में लादकर ले जा रहे थे कत्लखाने, 5 गिरफ्तार

बालोद,बुलंद मीडिया

बालोद एसपी जितेन्द्र कुमार यादव के आदेश गौ तस्करी के खिलाफ बड़ी करवी हुई है। 8 मवेशियों को कत्लखाना ले जाते 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मवेशी परिवहन में प्रयुक्त पिकअप को भी जब्त किया गया है। दरअसल एसपी ने जिले में गौ तस्करी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के आदेश दिए था, जिसपर थाना प्रभारी बालोद निरीक्षक रविशंकर पाण्डेय द्वारा अलग–अलग टीम बनाकर थाना बालोद क्षेत्र अंतगर्त लगातार जगह बदल–बदल कर एमसीपी लगाकर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। 1 दिसंबर को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सांकरा (करहीभदर) के पास एक पिकअप में मवेशियों को भरकर कत्ल खाना ले जाय जा रहा है। सूचना पर थाना बालोद के

उपनिरीक्षक नंदकिशोर सिन्हा के नेतृत्व में आरक्षक मनीष राजपूत, लवण सिंह राजपूत, विवके आनंदधीर, नागेश्वर साहू ने ग्राम सांकरा(क) में घेराबंदी कर उक्त पिकअप को रोका। वाहन की जांच करने पर उस गाड़ी में क्रूरता पूर्वक 8 मवेशियों को लादा गया था। टीम में पिक अप में सवार 5 लोगों को हिरासत में लिया। थाना बालोद में अपराध क्रमांक 579/2023 धारा 4, 6 छत्तीगढ़ कृषिक पशु परिक्षण अधिनियम 2004 एवं धारा 11(घ) पशु क्रूरता अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

गिरफ्तार आरोपी

डिकेश्वर साहू पिता चुन्नु लाल साहू उम्र 27 साल ग्राम ओड़ागहन थाना सनौद जिला बालोद।

सेवक राम साहू पिता भगत राम साहू उम्र 30 साल ग्राम सांकरा(क) थाना व जिला बालोद।

राजू यादव पिता कोदन यादव उम्र 50 साल ग्राम सारागांव(लिलजा) थाना खरोरा जिला रायपुर।

अब्दूल शईद पिता अब्दूल अजीज उम्र 48 साल साकिन वार्ड क्र 13 पठानपुरा कुबा मस्जिद के पास मुर्तीजापुर थाना मुर्तीजापुर जिला अकोला(महाराष्ट्र)

मोहम्मद खान पिता रमजान खान उम्र 69 साल ग्राम मुजगहन थाना व जिला बालोद।

राशिफल

मेष राशि-आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज ऑफिस मैनेजर्स के लिए दिन अच्छा रहेगा। आपके किसी काम की तारीफ होगी। अगर आप कंप्यूटर कोर्स ज्वाइन करना चाहते हैं, तो घरसे सलाह ले लें। राजनीति से जुड़े लोगों को किसी कार्य के लिए सम्मानित किया जायेगा।

वृष राशि-आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज विद्यार्थियों का पढ़ाई में मन लगेगा। अपनी आर्थिक स्थिति के हिसाब से खर्चे करें। आज ऑफिस में कोई नया प्रोजेक्ट मिल सकता है। दाम्पत्य जीवन में भरपूर मधुरता बनी रहेगी,

मिथुन राशि-आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। नर्सिंग के छात्रों को सीनियर्स से कुछ नया सीखने को मिलेगा। किसी काम को लेकर आज भागदौड़ करनी पड़ सकती है। ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। दांपत्य रिश्ते में खुशियां आएंगी, रिश्ते में नयापन महसूस करेंगे।

कर्क राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। प्रतियोगी परिक्षा की तैयारी में लापरवाही न करें। बच्चों के लिए दिन खुशनुमा बनेगा, आज पार्क घूमने जायेंगे। आज ऑफिस में अपने काम पर फोकस करेंगे। आज पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। लवमेट को उनकी पसंद का ड्रेस गिफ्ट कर सकते हैं।

सिंह राशि-आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज घर में सुख- समृद्धि बढ़ेगी। आज स्कूल टीचर से आपकी मुलाकात होगी। दोस्तों के साथ शाम में कॉफी पीने का प्लान बनायेंगे। आज रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। अगर आप कहीं घूमने जा रहे है तो जरुरी सामान रख लें।

कन्या राशि-आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी नयी जॉब के योग बन रहे हैं। किसी बात को लेकर आपकी उलझन खत्म होंगी। कोई दोस्त आपसे आर्थिक रूप से मदद मांग सकता है। ऑफिस के काम से बाहर जा सकते है। पेट की समस्या से परेशान लोग ऑयली फ़ूड अवॉयड करें। आज भाई-बहनों में अच्छी बॉन्डिंग बनी रहेगी।

तुला राशि-आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा। आज स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई में लापरवाही न करें। आज आप नया वाहन ले सकते हैं। आज कपड़ा व्यापारियों के कारोबार में अनुकूलता रहेगी, आपके रुके कार्य पूरे होंगे। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों का प्रमोशन हो सकता है। किसी दोस्त से जरूरी जानकारी मिलेगी।

वृश्चिक राशि-आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। बिसनेसमैन किसी दूसरी कंपनी के साथ पार्टनरशिप कर सकते हैं। आज स्टूडेंट कॉलेज प्रोजेक्ट को बनाने में बिजी रहेंगे। बच्चों को पिकनिक स्पॉट पर ले जायेंगे। बुजुर्गों का भक्ति भाव में मन लगेगा। आज अचानक धन लाभ होने से आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी।

जीवनसाथी आज घर के जरुरत का सामान खरीदने के लिए कह सकते है। लवमेट से आज आपको सरप्राइस मिलेगा। आज आप अपने दिनचर्या में बदलाव करेंगे।

धनु राशि-आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। आज कारोबार में कम मेहनत से ही अधिक मुनाफा होगा, लेकिन मेहनत जारी रखें। आज कोई भी मौका हांथ से न जाने दें। आज लवमेट अपने रिश्ते की बात घर से करेंगे, घर वाले इसपर विचार विमर्श करेंगे। बिजनेस में आज अच्छी इनकम होगी। स्वास्थ्य

बेहतर रखने के लिए मसालेदार खाना अवॉयड करें। परिवार के साथ धार्मिक स्थल पर जाने का अचानक प्लान बन सकता है, कोई रिश्तेदार भी साथ जा सकते हैं।

मकर राशि-आज आपका दिन शानदार रहेगा। किसी को दिए रुपए आज आपको वापस मिलेंगे। काम के सिलसिले में दोस्त का घर आना हो सकता है। आज दांपत्य रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए एक दूसरे को समझें। सरकारी कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। आज छात्र अपने डाउट टीचर से क्लियर करेंगे। ऑफिस में किसी प्रेजेंटेशन की जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसको सफलतापूर्वक पूरा करने में आप सफल रहेंगे। संतान पक्ष से सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि-आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। दोस्त आप पर विश्वास करके कोई बात शेयर करेंगे। बुजुर्गों को खुशनुमा माहौल दें, इससे उनको बेहतर महसूस होगा। स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों को अपने कोच से नया सीखने को मिलेगा। अगर आप अविवाहित है तो आपकी शादी की बात आज फाइनल हो सकती है। आज ऑनलाइन कोई सामान आपको काफी पसंद आएगा। लवमेट के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

मीन राशि-आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। ऑफिस में दोस्तों के साथ हिल स्टेशन जा सकते हैं। आज काम को लेकर काफी बिजी रहेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा। हार्डवेयर कारोबारियों का काम अच्छा चलेगा, इनकम में बढ़ोतरी होगी। परिवार में चल रही अनबन आज समाप्त होगी। बच्चों के लिए मनपसंद सामान लेंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी जम कर करें, जल ही आपको सफलता मिलेगी।

सिल्क्यारा सुरंग दुर्घटना के सबक

उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिल्क्यारा की निर्माणाधीन सुरंग में हुए दुखद हादसे का अंत सुखद रहा है। सुरंग में फंसे सभी 41 मजदूरों को 17वें दिन सकुशल निकाल लिया गया। लेकिन इस घटना से कुछ सवाल खड़े हुए हैं और कुछ सबक भी मिले हैं, जिन पर सरकारों के साथ साथ इस तरह के सामरिक व रणनीतिक रूप से अहम और बेहद संवेदनशील काम करने वाली निजी कंपनियों को भी ध्यान देना चाहिए। इस हादसे के बाद एक अच्छी बात यह भी हुई है कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने देश के अलग अलग हिस्सों में बन रही इस तरह की 19 सुरंगों के कामकाज की समीक्षा करने का फैसला किया है। अगर इससे सबक लेकर मंत्रालय यह सुनिश्चित करता है कि किसी दूसरी निर्माणाधीन सुरंग में इस तरह का हादसा नहीं होगा तो यह माना जाएगा कि सिल्क्यारा सुरंग में 41 मजदूरों की जिंदगियों का दांव पर लगना सार्थक साबित हुआ। दूसरे, इस मामले में सुरंग बनाने वाली निजी कंपनी को जिम्मेदार ठहराना, उस पर आरोप लगाना, उसे सजा देने की मांग करना, उससे जुर्माना वसूलने की सलाह देना भी एक किस्म का राजनीतिक नैरेटिव है, जिससे बचना चाहिए।

सबको पता है कि इस तरह की सुरंग पहाड़ी इलाकों में बनाई जाती हैं। उत्तराखंड से लेकर हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर तक और उधर पूर्वोत्तर के राज्यों में ऐसी सुरंगें बनाई जाती हैं और इनका निर्माण निजी कंपनियां ही करती हैं। इन सुरंगों के निर्माण के एक साथ कई मकसद होते हैं। एक मकसद तो लोगों के लिए आवाजाही की सुविधा उपलब्ध कराना है लेकिन साथ ही इसका बड़ा सामरिक व रणनीतिक महत्व होता है। संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में, जहां चीन और पाकिस्तान दोनों की तरफ से सुरक्षा खतरा बना हुआ है, वहां इन सुरंगों से हर मौसम में निर्बाध परिवहन सुनिश्चित होता है। कमजोर होते पहाड़ों में इस तरह की सुरंगों का निर्माण हमेशा जोखिम का काम होता है। इसलिए सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की मांग जरूर होनी चाहिए और साथ ही पर्यावरण विशेषज्ञों की राय लेने और उन्हें अनिवार्य रूप से मानने की बात भी भी होनी चाहिए लेकिन सुरंग बनाने वाली कंपनियों को सजा देने की मांग उचित नहीं है।

आखिर सुरंग बना रही निजी कंपनी ने ही दिल्ली की एक निजी कंपनी के सम्पर्क किया और एक दर्जन रैट माइनर्स बुलाए, जिन्होंने सिर्फ 21 घंटे में आखिरी 12 मीटर की मैनुअल खुदाई कर दी और मजदूरों को बाहर निकाल लिया। इसलिए यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कमजोर या कच्चे पहाड़ या इंसानी अतिक्रमण का शिकार हुए पहाड़ों में इस तरह की परियोजनाओं के साथ ऐसी दुर्घटनाएं होंगी। जरूरत इस बात की है कि उन्हें कैसे रोका जाए और हादसे के बाद जान-माल का नुकसान कैसे कम से कम हो यह सुनिश्चित किया जाए। सुरंग का निर्माण कर रही कंपनी और सरकार के ऊपर इस बात का दबाव जरूर बनना चाहिए कि वह मजदूरों को पर्याप्त मुआवजा दे। मजदूर और उनके परिजन जिस सदमे में थे और उन्होंने जो तनाव झेला है उसकी भरपाई निश्चित रूप से की जानी चाहिए। इस मामले में चिली की 2010 की घटना से सबक लिया जा सकता है, जिसमें एक अमेरिकी कंपनी के लिए काम कर रहे मजदूर कॉपर की खदान में फंस गए थे। निकलने के बाद उन सबको बड़ा मुआवजा मिला था। कई मजदूरों को तो जीवन भर पेंशन की व्यवस्था हुई थी।

बहरहाल, सिल्क्यारा सुरंग के हादसे ने एक चीज और प्रमाणित की है कि संकट के समय पूरा देश और सारी एजेंसियां एक हो जाती हैं। संकट के समय ही देश और समाज का वास्तविक चरित्र सामने आता है। दिवाली के दिन सुबह हुए इस हादसे के बाद जिस तरह से केंद्र व राज्य की सारी एजेंसियों ने मिल कर काम किया वह काबिले तारीफ है। इससे यह साबित हुआ कि अगर आपदा प्रबंधन की सारी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए तो किसी भी संकट में जान-माल के नुकसान को रोका जा सकता है या कम किया जा सकता है। सिल्क्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी एनडीएमए, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी एसडीएमए, बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन यानी बीआरओ, इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस यानी आईटीबीपी, नेशनल हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी एनएचआईडीसीएल और अंत में भारतीय सेना ने बेहतरीन तालमेल के साथ काम किया। केंद्र और राज्य सरकार ने निरंतर निगरानी रखी और जब जिस मशीन की जरूरत हुई उसे दश के अलग अलग राज्यों से विशेष विमान के जरिए लाकर घटनास्थल तक पहुंचाया गया।

ध्यान रहे चिली से लेकर चीन और अमेरिका से लेकर थाईलैंड तक इस तरह की दुर्घटनाएं हुई हैं और कई जगह फंसे हुए मजदूरों को निकालने में महीनों लगे हैं। चिली में 2010 में एक अमेरिकी कॉपर कंपनी की खदान में 33 मजदूर फंसे थे और उन्हें सुरक्षित निकालने में 69 दिन का समय लगा था। सबसे ताजा मामला थाईलैंड का है, जहां 2018 में एसोसिएशन फुटबॉल टीम के 12 बच्चे और उनके कोच एक सुरंग में फंस गए थे। उन्हें निकालने में 10 हजार लोगों की टीम लगी थी, जिसमें 90 गोताखोर थे। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया से लेकर चीन, रूस, ब्रिटेन आदि देशों के सुरंग और राहत व बचाव कार्य के विशेषज्ञ घटनास्थल पर पहुंचे थे और 18 दिन के अथक प्रयास के बाद सबको सुरक्षित बाहर निकाला गया था। ऐसे ही सिल्क्यारा सुरंग हादसे के बाद भी दुनिया भर के विशेषज्ञ घटनास्थल पर पहुंचे, सारी एजेंसियों ने एक होकर बचाव के लिए काम किया, आम लोगों और स्थानीय प्रशासन का पूरा सहयोग इस प्रक्रिया में रहा और अंत में 17 दिन की मेहनत रंग लाई।

इस घटना का एक सबक यह है कि सरकार सभी निर्माणाधीन सुरंगों की सुरक्षा की समीक्षा करा रही है। इस सबक को ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत है। सिर्फ निर्माणाधीन सुरंगों की सुरक्षा की समीक्षा पर्याप्त नहीं होगी। इस तरह की जितनी भी परियोजनाएं हैं, जो पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में चल रही हैं उन सबकी समीक्षा करने की जरूरत है। सिल्क्यारा सुरंग हादसे के बाद मदद के लिए पहुंचे ऑस्ट्रेलिया के सुरंग विशेषज्ञ आर्नोल्ड डिक्स ने बहुत भावुक होकर एक मौके पर कहा कि 'हम पहाड़ से अपने बच्चे मांग रहे हैं'। पहाड़ विशालता और उदारता का प्रतीक होते हैं। इसलिए डिक्स पहाड़ से अपने बच्चे लौटा देने की अपील कर रहे थे। सरकारों और तमाम निर्माण एजेंसियों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पहाड़ या प्रकृति हमेशा ऐसी उदारता नहीं दिखाएंगे। अगर समझदारी नहीं दिखाई गई तो आने वाले समय में संकट गहराएगा। इसलिए पहाड़ों, जंगलों की अंधाधुंध कटाई और निर्माण को समय रहते रोका जाना चाहिए। सिर्फ सुरक्षा की समीक्षा पर्याप्त नहीं होगी। उसके साथ साथ पहाड़ों और जंगलों में चलने वाली तमाम व्यावसायिक गतिविधियों की समीक्षा होनी चाहिए और दीर्घावधि की योजना बननी चाहिए। ऐसा कोई काम नहीं होना चाहिए, जिससे प्रकृति का बनाया संतुलन बिगड़े। अन्यथा उत्तराखंड और हिमाचल के पहाड़ों में पिछले कुछ समय से हो रही दुर्घटनाओं को रोकना नामुमकिन हो जाएगा।

दुबई की सीओपी बैठक में होगा क्या?

हम अपनी पृथ्वी का क्या बुरा हाल कर रहे हैं, इस बारे में खतरे की घंटी पेरिस में सन 2015की सीओपी (कांफ्रेंस ऑफ़ पार्टीज) शिखर बैठत में बजा दी गई थी।तब पहली बार दुनिया ने तथाकथित विकास की वजह से जलवायु को हुई हानि की ओर ध्यान दिया। पेरिस सीओपी में अनुमान लगा था कि यदि दुनिया नहीं जागी और सभी देशों ने आवश्यक नीतिगत फैसले नहीं किए तो सन् 2100 तक ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान औद्योगिकरण से पहले की तुलना में 3 डिग्री सेंटीग्रेड से भी अधिक बढ़ जाएगा।इसके बावजूद तब कोई ठोस कदम नहीं उठे। बस इतना जाना-समझा कि कुछ किया जाना है और वह जल्द से जल्द होना चाहिए। उसी बैठक में भविष्य में होने वाले सीओपी के लिए नियमों का निर्धारण हुआ।तयहुआ कि सन 2023 में विश्वस्तर पर हालात का एक बार फिर जायजा लिया जाएगा। देखा जायेगा कि 2015 में हुए समझौते के व्यापक लक्ष्यों के निकट पहुंचने के लिए क्या किया जा चुका है और क्या नहीं किया जा सका है। अब उसी सिलसिले में आज दुनिया भर के देशों के प्रतिनिधि यूएई के दुबई में सीओपी28 के लिए एकत्रित हुए हैं जहां यह चर्चा होगी कि हमने क्या हासिल किया है और जलवायु संकट का मुकाबला करने के प्रयासकिस दिशा में जा रहे हैं। हाल में 2023 की यूएनईपी गेप रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि सभी देश पेरिस समझौते के अंतर्गत जो कुछ उन्हें करना है, उसे पूरी तरह से कर दें तभी हम औसत वैश्विक तापमान की वृद्धि 2.9 डिग्री सेंटीग्रेड तक सीमित रखने की दिशा में ही आगे बढ़ सकेंगे, जो पेरिस में निर्धारित किए गए और 2021 में ग्लासगो में दुहराए गए 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड के लक्ष्य की तुलना में बहुत कम होगा। यहाँ यह याद रखा जाना चाहिए कि 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड की वृद्धि भी इतनी अधिक है कि वह अरबों लोगों का जीवन दूभर कर देगी। बहरहाल, अनिश्चितता के हालात बने हुए हैं। वैश्विक औसत तापमान में 2.9 डिग्री सेंटीग्रेड की वृद्धि से विनाशकारी प्राकृतिक आपदाएं आएगीं जिनके व्यापक दुष्प्रभाव होंगे। इस पृष्ठभूमि और ज्ञात इतिहास के सबसे गर्म साल में विश्व की अपेक्षा है कि सीओपी 28 में यह आह्वान किया जायेगा कि हम नयी राह पर चलें क्योंकि अभी हम जिस रास्ते पर चल रहे हैं, वह हमें कहीं नहीं ले जाएगा।

वैश्विक तापमान में वृद्धि को औद्योगिकरण के पूर्व के तापमान की तुलना में 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड की अधिकतम 'सुरक्षित' सीमा से कम रखने के लिए हमारी दुनिया पर्याप्त कदम नहीं उठा रही है। पिछले वर्ष हुए जलवायु सम्मेलन में सभी देश 'अकुशल फॉसिल फ्यूल्स पर अनुदान' घटाने पर सहमत हुए थे लेकिन पूरी दुनिया की सरकारों द्वारा इसके लिए दिया जाने वाला अनुदान सन् 2022 में अब तक के सर्वोच्च स्तर 1700 अरब डालर तक पहुंच गया। दुबई में भले ही नए, बेहतर लक्ष्य निर्धारित न किए जाएं परंतु जलवायु संबंधी वर्तमान लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भी सब देशों को मिलकर पूरे जोश से काम करना होगा। यूएई की सरकारी तेल कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव सुल्तान अल जेबर, जो सीओपी28 की अध्यक्षता करेंगे, पर बड़ी ज़िम्मेदारी है। उन्हें भविष्य में कार्बन उर्त्सजन में कमी लाने संबंधी नए समझौते करवाने हैं, ग्लोबल वार्मिग से हुई हानि की भरपाई के रूप में किए जाने वाले भुगतान का मामला देखना है और गरीब देशों को जलवायु संबंधी वित्तीय सहायता दिए जाने की एक अधिक न्यायपूर्ण व्यवस्था कायम करने पर ध्यान देना है, यह वित्तीय सहायता अधिकतर उच्च ब्याज दर वाले ऋण के रूप में होती है। विकासशील देशों का कहना है कि यदि विकसित देशों ने क्योटो समझौते के लक्ष्यों को हासिल कर लिया होता तो वे भी फॉसिल फ्यूल्स के उपयोग में कमी लाकर ग्रीन हाउस गैस उर्त्सजन को घटाने में अपनी 'उचित भागीदारी' का प्रयास करते। किंतु हालत यह है कि सन 2050 तक तेल और गैस के जो नए कुँए बनेंगे, उनमे से अधिकांश पांच धनी देश – अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया, नार्वे और यूके – बनाएंगे।

सीओपी28 ऐसे समय में हो रहा है जब हमारे सामने गंभीर खतरे हैं। मगर अवसर भी हैं। इस सम्मेलन में वर्तमान हालात का जायजा लिया जा सकता है और जलवायु संबंधी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए तीव्र गति से अधिक बड़े पैमाने पर कदम उठाने का निर्णय लिए जा सकते हैं। या यह ऐसा एक और ऐसा सम्मेलन साबित हो सकता है जिसमें वायदे, संकल्प और प्रतिज्ञाएं तो होंगी मगर अंतिम नतीजा सिफर होगा।

डूबती उम्मीदों के बीच

वाजिब आशंका है कि बचाव कार्य लंबा खिंचा, तो डूबती-उतराती उम्मीदों के बीच जी रहे मजदूर क्या तब तक अपना जीवन संघर्ष जारी रख पाएंगे। फिलहाल यह साफ है कि मीडिया में बनाया गया यह माहौल निराधार था कि अब कुछ घंटों का ही इंतजार बाकी है।

उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों के जल्द निकल आने की उम्मीदें अब कमजोर पड़ गई हैँ। इस कार्य के लिए ऑस्ट्रेलिया से बुलाए गए विशेषज्ञ ने तो इस कार्य के पूरा होने की समयसीमा क्रिसमस तक बढ़ा दी है। यानी पूरा एक महीना और। यह आशंका वाजिब है कि सचमुच यह काम इतना लंबा खिंचता है, तो डूबती-उतराती उम्मीदों के बीच जी रहे मजदूर क्या तब तक अपना जीवन संघर्ष जारी रख पाएंगे। बहरहाल, यह तो साफ है कि सरकारी ब्रीफिंग के आधार पर मीडिया द्वारा कुछ घंटों के इंतजार का बनाया गया माहौल निराधार था। इस बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सुरंग के पास जाकर टीवी कैमरों के कवरेज के बीच मजदूरों को यह बता आए प्रधानमंत्री उनकी रोज खोज-खबर ले रहे हैं। लेकिन ऐसे त्रासद मौके को भी इवेंट बना देने वाली सरकार अपनी उस परियोजना पर पुनर्विचार करने को तैयार नहीं है, जिसे पर्यावरणविदों की चेतावनियों के बावजूद आगे बढ़ाया जा रहा है।

इन चेतावनियों में बार-बार कहा गया है कि हिमालय की पारिस्थितिकी इतनी भुरभुरी है, जिसमें छेड़छाड़ बड़े हादसों को न्योता देना है। हाल के वर्षों में हिमालय क्षेत्र में पारिस्थितिकीय दुर्घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इसी वर्ष इसका भयानक नजारा हिमाचल प्रदेश में देखने को मिला। बताया जाता है कि सुरंग ढहने के पीछे भी एक प्रमुख कारण हिमाचल की ऐसी संचरना ही है। बहरहाल, आज देश में ऐसा दुर्भाग्यपूर्ण माहौल बना हुआ है, जिसमें हादसों या अप्रिय घटनाओं की तह में जाने संबंधी चर्चा की गुंजाइश बेहद सिमट गई है। राजनीतिक संस्कृति ऐसी बन गई है, जिसमें आतंकवादियों के हाथों जान गंवाने वाले सैनिक अफसर के घर मंत्री सहायता राशि का चेक लेकर जाते हैं, तो बिलखती मां को उसे सौंपने के लिए टीवी कैमरों और लाव-लश्कर का पूरा तामझाम लगाया जाता है। इतना कि उस लाचार मां को यह कहना पड़ता है कि यहां प्रदर्शनी मत लगाओ। यह दुखद घटना रजौरी मुठभेड में मारे गए कैप्टन शुभम गुप्ता के आगरा स्थित घर पर हुई। मजदूरों की डूबती-उबरती को सांसों को भी इवेंट बनाने की कोशिश को इसी क्रम में देखा जाएगा।

सिलक्यारा सुरंग की घटना से सरकारों को सबक सीखने की जरूरत है

दृढ़ इच्छाशक्ति, लगन, उम्मीद, सकारात्मकता और हौसले की ताकत ने मिलकर आखिर प्रकृति के साथ लड़ी 17 दिन की जंग में जिन्दगी को विजयी बना दिया। सिलक्यारा सुरंग में आठ राज्यों के 41 मजदूरों को सकुशल जिन्दा निकाल लेने के 400 घंटों तक चले संघर्ष में जीत इंसान के चट्टानी हौसले के नाम दर्ज हुई। उत्तरकाशी टनल में फंसे इन सभी मजदूरों को जब मंगलवार रात सुरक्षित निकाला गया, तो देश ने राहत की सांस ली और दीपावली मनाई। यह बचाव अभियान प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय बना है। जिसमें विज्ञान में विश्वास एवं आस्था ने मनोबल दिया। दीपावली के दिन से टनल में फंसे मजदूरों का सुरक्षित बाहर आना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा सकता। बचाव अभियान में हर मोड़ पर आती बाधाओं से बार-बार निराशा एवं नाउम्मीदी के बादल छाए जरूर, लेकिन बचाव दल के अथक प्रयास आखिर में रंग ले ही आए। बजाव कार्य में जुटे जाम्बाज राहत कर्मियों का भरोसा, केन्द्र एवं राज्य सरकार की पूरी ताकत एवं पूरे देश की प्रार्थनाओं का ही असर था जो डर, निराशा और दुश्चिंताओं को दूर करने का हौसला बराबर देता रहा। 17 दिन तक संकटकालीन स्थितियों में मजदूरों को जीवित रखने की चुनौती वाकई बहुत बड़ी थी, जिस पर पूरी दुनिया की नजरें लगी थीं। मजदूरों तक ऑक्सीजन और भोजन पानी पहुंचाना भी आसान नहीं था। तरह-तरह की बाधाओं एवं तकलीफों के बीच जिन्दगी बचाने की मुहिम निश्चित ही एक रोशनी बनी। इसमें सुरंग में फंसे मजबूरों ने जहां हर तरह से जिजीविषा एवं बहादूरी का परिचय दिया, वहीं बचाव कार्य में जुटे वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, तकनीकी जानकारों एवं कर्मियों ने दिन-रात एक करके एक उदाहरण प्रस्तुत किया। यह बचाव अभियान एवं इसकी सफलता ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय उदाहरण बनकर प्रस्तुत हुआ है। दुविधा एवं मौत की सुरंग में कैद हुए मजदूरों को संकट से आजादी मिली, लेकिन सिलक्यारा की इस घटना ने अनेक सवाल भी खड़े किए हैं। सवाल यह है कि एक प्लान के विफल होने पर दूसरा और आगे के विफल होने पर ही तीसरा, चौथा, पांचवां प्लान क्यों बना? क्या पांच प्लान पहले ही तैयार नहीं हो सकते थे? बीते दो दशकों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क-क्रांति ने विकास की नई इबारत लिखी है, चारधाम सड़क परियोजना, पहाड़ी क्षेत्रों एवं दुर्गम्य स्थलों में भी यातायात सुगम करने के लिए पहाड़ खोदकर टनल बनाए जा रहे हैं, जिनमें दुर्घटनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रश्न है कि संभावित दुर्घटनाओं से बचने के आवश्यक उपकरण क्यों नहीं जुटाये गये? मलबा हटाने के लिए अमेरिका से क्यों मशीन मंगवानी पड़ी, भारत में ऐसी मशीनों की उपलब्धता क्यों नहीं है? ऐसी विपत्तियों एवं संकटों से उबरने की हमारी तैयारी आत्म-निर्भर एवं स्वावलम्बी क्यों नहीं बनायी जाती? क्यों नहीं अपने देश में जगह-जगह बढ़ती सुरंग परियोजना को देखते हुए एक ऐसे राष्ट्रीय संस्थान खड़ा किया जाता जो बिना भ्रष्टाचार एवं कोताही में लिप्त हुए निर्माणाधीन परियोजनाओं का हर वर्ष तकनीकी ऑडिट करे, जैसा कि सरकारी संस्थानों में वित्तीय ऑडिट होता है। तब हम ऐसे हादसों को रोक पाएंगे। हिमालय जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में ऐसी बड़ी सड़क परियोजनाओं एवं अन्य निर्माण कार्यों की इजाजत देने से पहले उस पर व्यापक मंथन-अनुसंधान-जांच एवं शोध की अपेक्षा है। किस तरह के निर्माण कार्यों की इजाजत दी जाए और किस तरह के काम को नहीं, यह भी समझना एवं एक रोडमैप बनाना होगा। पर्यावरणविद और भूविज्ञानी ऐसे निर्माण कार्यों को पर्यावरण के लिये गंभीर खतरा मानते रहे हैं, ऐसे लोग लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि हिमालय एक कच्चा पहाड़ है, वहां बड़ी परियोजनाओं को अनुमति देने से पहले सब तरह की जांच कर लेनी चाहिए। संभावित खतरों पर संवेदनशीलता से चिन्तन करना चाहिए। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में बन रही सुरंग में भी यह बात सामने आई है कि इस जगह के आसपास दो स्थानीय फॉल्टों की उत्तर से दक्षिण तक कटान है। क्या इस सुरंग को बनाने से पहले इसका अध्ययन नहीं किया गया था? बचाव कार्य के लिए यहां आए विदेशी सुरंग विशेषज्ञों ने शेयर जोन की बात कही। शेयर जोन उसे कहते हैं, जिसके आसपास से दो नदियां एक-दूसरे को क्रॉस करती हैं। भूकंप जोन होने से भी ऐसे इलाकों में भू-धंसान की समस्या आती है। खुदाई करने वाले कई मजदूरों ने भी इस बात को रेखांकित किया एवं चेताया कि सुरंग से बार-बार धसकते मलबे की समस्या है, मगर उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। प्रश्न है कि कौन लोग इस उपेक्षा के लिये जिम्मेदार हैं। इसलिए यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर संवेदनशीलता की जरूरत है खान या सुरंग में मजदूरों के फंसने की घटनाएं देश ही नहीं दुनियाभर में होती रहती हैं। कभी पहाड़ के धंसने से और कभी खदानों में पानी भरने से भीषण हादसे होते रहते हैं। जहां विकास की गंगा बहती है, वहां विनाश की संभावना से नकारा नहीं जा सकता। लेकिन हमें संभावित खतरों पर अधिक गंभीर होने की अपेक्षा है। मैदानी इलाकों में ही नहीं, उच्च हिमालयी क्षेत्र में भी सड़क, रेल और जलविद्युत परियोजनाओं तक के लिए सुरंगों का जाल बिछाया जा रहा है, क्योंकि सुरंगों को बहुत अच्छा विकल्प माना जाता है। क्या सुरंगें वाकई बेहतर विकल्प हैं? कैसे हो रहा है उनका निर्माण? इन प्रश्नों पर व्यापक मंथन की अपेक्षा है। ऐसा नहीं है कि भारत में ऐसी परियोजनाएं हर जगह ऐसी दुर्घटनाओं की शिकार हुई है। कोंकण रेलवे और दिल्ली मेट्रो की कई जटिल सुरंगों पर सफलतापूर्वक काम हुआ है। उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के डायरेक्टर एंड प्लानिंग बृजेश मिश्रा के अनुसार, सुरंग परियोजना में सबसे अहम जियो टेक्निकल इंवेस्टिगिशेन होता है, इसी से तय होता है कि सुरंग खुदाई के बाद कितनी देर तक टिक पाएगी। निर्माण के दौरान कोई बड़ा अवरोध या खतरा तो नहीं होगा। साथ ही, इसे किस तरह के ट्रीटमेंट की जरूरत है, पर दुर्गम पहाड़ में कई बार जांच उपकरण अधिक ऊंचाई तक ले जाना मुश्किल हो जाता है और जियो टेक्निकल इंवेस्टिगिशेन पर समग्रता से कार्य नहीं होता। कई बार राजनीतिक कारणों से जल्द काम निपटाने के दबाव में सुरंग के मुहाने पर किए गए अध्ययन के आधार पर ही काम शुरू कर दिया जाता है, जो बाद में बहुत भारी पड़ता है। ऐसे मामलों में बहुत कारगर कथन है कि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। उत्तराखंड सुरंग हादसे में शायद ऐसा ही हुआ। सिलक्यारा की घटना से एक तथ्य और सामने आया है कि ऐसे बचाव कार्य के लिए कोई पक्की योजना हमारे पास नहीं है। इसी वजह से विदेश से मदद लेनी पड़ी। अच्छा यही होगा कि इस घटना से सबक लेकर इस तरह के बचाव कार्य की पुख्ता प्रक्रिया और सामर्थ्य देश के पास हो ताकि आने वाले वक्त में इस तरह का बचाव कार्य जल्द से जल्द और बिना किसी बाधा के पूरा किया जा सके। इस हादसे से सबक लेते हुए आपदा प्रबंधन कार्यों को आधुनिक रूप देने के लिए हर संभव उपाय किए जाने चाहिए। विदेशों से हम तकनीक के मामले में मदद लेते रहते हैं। इस क्षेत्र में भी विदेशों से तकनीकी ज्ञान हासिल करने के साथ इंजीनियरों के प्रभावी प्रशिक्षण की भी समुचित व्यवस्था नियमित रूप से होनी चाहिए। विशेषज्ञों की मानें, तो अब भारत में सुरंग निर्माण पहले से कहीं ज्यादा चाक-चौंबद हो जाएगा।

डीप नेक साड़ी में दिशा पाटनी ने दिए किलर पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी हमेशा अपने किलर लुक्स से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए रहती हैं. सोशल मीडिया पर उनकी बोल्डनेस को देखकर फैंस भी हैरान रह जाते हैं. उनकी हर तस्वीर पर फैंस भर-भर कर प्यार बरसते हैं. एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने अपने अधिकारिक इंस्टा अकाउंट पर ग्रीन कलर की साड़ी और डीप नैक ब्लाउज में कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं. इस तस्वीरों में दिशा पाटनी बेहद खूबसूरत और बोल्ड नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस इन तस्वीरों में जमकर अपनी बोल्डनेस फ्लॉन्ट कर रही हैं. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस भर-भर का प्यार बरसा रहे हैं. एक्ट्रेस मोनी रॉय ने भी दिशा की इन तस्वीरों पर फायर साइन कमेंट कर बता दिया कि वह कितनी हॉट लग रही हैं. वहीं अन्य फैंस ने भी दिशा की इन तस्वीरों पर कमेंट कर उनकी खूबसूरती को सराहा है. एक यूजर ने कमेंट कर लिखा- दिवाली का पटाखा. वहीं एक्ट्रेस ने कुछ और बेहद बोल्ड तस्वीरें पोस्ट की हैं. जगह-जगह से खुली इस ड्रेस में भी एक्ट्रेस काफी बोल्ड नजर आ रही हैं. दिशा पाटनी अपने बोल्ड और किलर लुक के लिए हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। फैंस उनकी एक-एक तस्वीर का बेसब्री से इंतजार करते हैं. दिशा पाटनी का जन्म 13 जून 1993 को देहरादून में हुआ था. साथ ही दिशा पाटनी ने एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू साल 2015 में आई फिल्म लोफर से किया था.

अनन्या पांडे की खो गए हम कहां का पहला गाना होने दो जो होता है जारी

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे मौजूदा वक्त में अपनी आने वाली फिल्म खो गए हम कहां को लेकर चर्चा में हैं।इसमें वह सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव के साथ नजर आएंगी।खो गए हम कहां सिनेमाघर में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। इसका प्रीमियर 26 दिसंबर को होगा।अब फिल्म का पहला गाना होने दो जो होता है रिलीज हो चुका है, जिसमें अनन्या और सिद्धांत एक-दूजे के प्यार में डूबे नजर आ रहे हैं। होने दो जो होता है को सवेरा और लोथिका ने मिलकर गाया है। इस गाने के बोल जावेद अख्तर ने लिखे हैं।खो गए हम कहां के जरिए अर्जुन वरन सिंह निर्देशन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, जबकि फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण किया जाएगा।इसकी कहानी जोया अख्तर, अर्जुन वरैन सिंह और रीमा कागती ने लिखी है।कल्कि कोचलिन भी फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। फिल्म को लेकर जोया अख्तर और रीमा कागती कहती हैं- खो गए हम कहां हमारे दिलों में एक खास स्थान रखती है। अर्जुन के साथ इस कहानी को लिखने और जुडने् की प्रक्रिया रोमांचक थी। यह डिजिटल जनरेशन की आने वाली फिल्म है, जिससे उम्मीद है कि यह युवाओं को पसंद आएगी। नेटफ्लिक्स इंडिया ओरिजिनल फिल्म्स की डायरेक्टर रुचिका कपूर शेख ने फिल्म के बारे में कहा, सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या पांडे और आदर्श गौरव अभिनीत यह फिल्म दिल को छू लेने वाली कहानी है, जो पुराने जमाने की दोस्ती की भावनाओं पर आधारित है।

भूल भुलैया 3 में नजर नहीं आएंगी तब्बू?

तब्बू और कार्तिक आर्यन स्टारर कॉमेडी हॉरर फिल्म भूल भुलैया 2 कोरोना काल के बाद रिलीज हुई पहली बड़ी हिट फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन अनीस बज़्मी ने किया था और यह अक्षय कुमार की 2007 की फिल्म भूल भुलैया का सीक्वल थी। वहीं अब फिल्म फैंचाइजी की तीसरी किस्त को लेकर खबरें सामने आने लगी हैं। जिसमें खबर आ रही है कि तब्बू शायद इसका हिस्सा नहीं होंगी। भूल भुलैया 2 में तब्बू की भूमिका को खूब पसंद गया और फिल्म एक बड़ी व्यावसायिक सफलता साबित हुई। हालांकि, हो सकता है कि उन्होंने इसकी तीसरी किस्त के लिए ना कह दिया हो। रिपोर्ट के अनुसार, भारी रकम ऑफर होने के बावजूद एक्ट्रेस ने भूल भुलैया 3 को ठुकरा दिया है। सूत्र का कहना है कि मंजुलिका की भूमिका उनके बहुत करीब है लेकिन वह इसे जल्द ही दोबारा करने के लिए उत्सुक नहीं हैं। कथित तौर पर तब्बू इस भूमिका को दोबारा निभाने से पहले इंतजार करना चाहती हैं। दूसरी ओर, निर्माता फिल्म को जल्द से जल्द शुरू करने के इच्छुक हैं। भूल भुलैया 2 अनीस बज़्मी द्वारा निर्देशित है और अक्षय कुमार की 2007 की हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया का स्टैंडअलोन सीक्वल है। फिल्म में कार्तिक आर्यन, तब्बू, कियारा आडवाणी, राजपाल यादव और अन्य कलाकार हैं। यह बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता पाने वाली फिल्म बनीं। तब्बू के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार विशाल भारद्वाज की जासूसी थ्रिलर खुफिया में देखा गया था। वह जल्द ही अजय देवगन के साथ औरों में कहां दम था और करीना कपूर खान, कृति सेनन और दिलजीत दोसांझ के साथ द क्रू में नजर आएंगी।

थिएटर्स के बाद अब ओटीटी प्लेटफोर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई अक्षय कुमार की फिल्म मिशन रानीगंज

अक्षय कुमार और परिणीति चोपड़ा की फिल्म मिशन रानीगंज6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा कलेक्शन किया था. वहीं, अब फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है. थिएटर रिलीज के बाद अक्षय कुमार कि फिल्म मिशन रानीगंज अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो गई है. ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है. इस बात की जानकारी खुद अक्षय कुमार और नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर दी है. इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया गया है. इस वीडियो में अक्षय कुमार फिल्म की थोड़ी सी कहानी बताते नजर आ रहे हैं. इसके बाद उन्हें जानकारी देते हुए कहा कि फिल्म अब नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है. मिशन रानीगंज एक सच्ची घटना पर आधारित है. इस फिल्म में 1989 में कोयला खनिकों को बचाने वाले स्वर्गीय जयवंत सिंह गिल के बहादुर मिशन को दिखाया गया है. फिल्म में अक्षय कुमार ने जयवंत सिंह गिल का रोल अदा किया है. फिल्म की कहानी को दर्शकों ने खूब पसंद किया और ये फिल्म राष्ट्रीय सिनेमा दिवस पर दर्शकों की पहली पसंद बनी. फिल्म में अक्षय कुमार और परिणति चोपड़ा लीड रोल में है. फिल्म को वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और अजय कपूर द्वारा निर्मित है, वहीं, टीनू सुरेश देसाई द्वारा निर्देशित हैं। फिल्म का म्यूजिक जेजस्ट का है। यह फिल्म उस कोयला खदान दुर्घटना को पर्दे पर जीवंत करती है जिसने न केवल देश बल्कि दुनिया को हिलाकर रख दिया था।

टीवी इंडस्ट्री 90 के दशक की तुलना में अधिक पिछड़ गई है: अनुपमा सोलंकी

नाथ-कृष्ण और गौरी की कहानी फेम अभिनेत्री अनुपमा सोलंकी ने साझा किया कि टीवी उद्योग 90 के दशक की तुलना में अधिक पिछड़ा हुआ है, उन्होंने कहा कि 100 से अधिक धारावाहिक हैं, जो उद्योग को आपदा बना रहे हैं। अनुपमा ने कहा, एक टीवी कलाकार होना मेरे लिए सम्मान की बात है क्योंकि लोग इस माध्यम से प्रभावित होते हैं और कभी-कभी लोग हमसे प्यार करते हैं और कभी-कभी वे हमारे द्वारा निभाए गए किरदारों के कारण हमसे नफरत भी करते हैं। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि हम दुनिया को प्रभावित करते हैं। और यह हमारे समाज का मार्गदर्शन करने का एक बड़ा अवसर और जिम्मेदारी है। मुझे बचपन से ही टीवी नाटकों की लत रही है इसलिए मैंने टीवी उद्योग और टीवी धारावाहिकों को बहुत करीब से देखा है, लेकिन ईमानदारी से मुझे लगता है कि टीवी उद्योग 90 के दशक की तुलना में अधिक पिछड़ा हुआ है। इन दिनों हम एक टीवी श्रृंखला में दिखा रहे हैं जिसे हम स्कूटर पर चांद पर जा रहे हैं। मैं वह दृश्य देखकर हैरान रह गई, उन्होंने साझा किया।

अनुपमा ने कहा, मैं नाम नहीं लेना चाहती, लेकिन ऐसे 100 धारावाहिक हैं जो टीवी इंडस्ट्री को तबाह कर रहे हैं। मैं 90 के दशक के टीवी शो से जुड़ी नहीं हूं, लेकिन बाद में मैंने कई टीवी शो देखे जो उत्कृष्ट हैं। नुक्कड़ नाटक, चंद्रकांता, रामायण, महाभारत, देख भाई देख, ब्योमकेश बख्शी, हिट शो की एक बड़ी सूची है लेकिन इन दिनों केवल कुछ शो ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जैसे मेरा शो नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी के साथ अनुपमा और कुंडली भाग्य। उन्होंने कहा, मैं अपनी टीवी इंडस्ट्री से खुश नहीं हूं लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं है इसलिए जो कुछ भी है मैंने उसे स्वीकार कर लिया है। नाथ-कृष्ण और गौरी की कहानी दंगल टीवी पर प्रसारित होता है।

पहले दिन ही एनिमल ने रचा इतिहास, दुनियाभर में की बंपर कमाई, पठान का तोड़ा रिकॉर्ड

रणबीर कपूर की लेटेस्ट रिलीज फिल्म 'एनिमल' को देश ही नहीं दुनियाभर में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म बीते दिन सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर बवाल काट दिया है. संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित फिल्म ने देश ही नहीं बल्कि ग्लोबली बंपर ओपनिंग की है. इतना ही नहीं इस फिल्म ने नॉन हॉलीडे पर सबसे बड़ी ओपनर बनकर इतिहास रच दिया है. चलिए यहां जानते हैं 'एनिमल' ने पहले दिन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कितना करोड़ का कलेक्शन किया है? 'एनिमल' का फीवर पूरी दुनिया पर चढ़ गया है. फिल्म को घरेलू बाजार ही नहीं बल्कि ओवरसीज में भी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है और इसी के साथ इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन रिकॉर्डतोड़ कलेक्शन किया है. फिल्म के मेकर्स ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि एनिमल ने वर्ल्डवाइड 116 करोड़ की दमदार ओपनिंग की है. मेकर्स एनिमल का एक पोस्टर शेयर कर लिखा , हिंदी सिनेमा में अब तक की सबसे बड़ी नॉन-हॉलिडे ओपनिंग. दुनिया भर में कुल कमाई 116 करोड़. दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन बंपर कमाई कर 'एनिमल' ने शाहरुख खान की पठान का रिकॉर्ड ब्रेक कर दिया है. बता दें कि पठान ने वर्ल्डवाइड 106 करोड़ का कलेक्शन किया था. हालांकि एनिमल शाहरुख की जवान का रिकॉर्ड ब्रेक नहीं कर पाई. जवान का पहले दिन का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 125.05 करोड़ था. बता दें कि'एनिमल' मेघना गुलज़ार की पीरियड ड्रामा 'सैम बहादुर' के साथ रिलीज़ हुई है, जिसमें विक्की कौशल ने लीड रोल प्ले किया है. हालांकि 'एनिमल' ने सैम बहादुर को बॉक्स ऑफिस पर काफी पीछे छोड़ दिया है. 'एनिमल' ने वर्ल्डवाइड ही नहीं देशभर में भी रिलीज के पहले दिन बंपर ओपनिंग की है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'एनिमल' ने रिलीज के पहले दिन सभी भाषाओं में कुल 61 करोड़ का कलेक्शन किया है, गौरतलब है कि फिलम ने हिंदी भाषा में अकेले 50 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'एनिमल' ने शाहरुख खान की पठान (57 करोड़) गदर 2 (40.10 करोड़) और टाइगर 3 (44.50 करोड़) का रिकॉर्ड भी चकनाचूर कर दिया है.

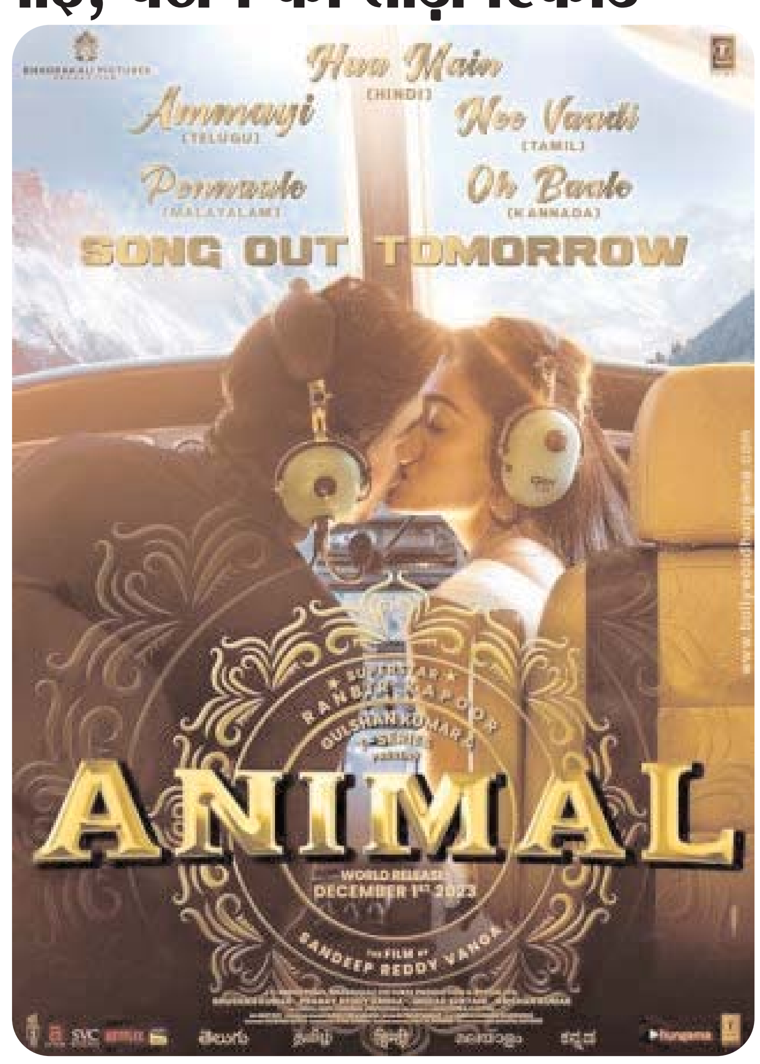

पहली बार विदेश में होगा ऑक्शन, आईपीएल ने शहर के नाम का किया एलान

एजेंसी, मुंबई

आईपीएल 2024 ऑक्शन के लिए जगह का एलान कर दिया गया है। रविवार को आईपीएल ने एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें एक बिल्डिंग पर नीलामी की तारीख और शहर के एलान का लाइट शो किया गया। पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों की नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी। आईपीएल ने घोषणा करते हुए कहा कि नीलामी 19 दिसंबर को दुबई में होगी। इससे पहले 26 नवंबर को सभी 10 टीमों ने रिलीज और रिटेन किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की थी।

कई महत्वपूर्ण और बड़े खिलाड़ी नीलामी में

ऑस्ट्रेलिया की वनडे विश्व कप विजेता टीम के सात खिलाड़ी पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्टीव स्मिथ, जोश इंगलिस और शॉन एबॉट उन 25 खिलाड़ियों में शामिल हैं जो 2024 आईपीएल खिलाड़ियों की नीलामी में हिस्सा लेंगे। विश्व कप में 106 के स्ट्राइक रेट से 578 रन बनाने और पांच विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र ने अपना बेस प्राइस 50 लाख रुपये रखा है।

सबसे अधिक बेस प्राइस की लिस्ट में कई देशों के महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी शामिल हैं, जो विश्व कप में अपनी टीम से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा रिलीज किए गए बल्लेबाज हैरी ब्रूक, आरसीबी द्वारा रिलीज किए गए हर्षल पटेल, केकेआर से रिलीज होने वाले शार्दुल ठाकुर और उमेश यादव और आरसीबी से रिलीज हुए केदार जाधव जैसे महत्वपूर्ण नाम शामिल हैं।

10 फ्रेंचाइजी के पास 77 स्लॉट

10 फ्रेंचाइजियों को कुल 77 स्थान भरने हैं, जिनमें से 30 विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। हाल ही में हुए विश्व कप में बेहतरीन फॉर्म में दिखे स्टार्क, हेड और रविंद्र पर फ्रेंचाइजी बड़ी बोली लगा सकती हैं। अगर स्टार्क को खरीदा जाता है तो वह आठ साल बाद आईपीएल में वापसी करेंगे, उन्होंने आखिरी बार आरसीबी के लिए 2015 सत्र खेला था। उन्होंने 2018 की नीलामी में प्रवेश किया, जहां उन्हें केकेआर द्वारा 9.4 करोड़ रुपये में खरीदा गया था, लेकिन चोट के कारण सीजन से बाहर हो गए। स्टार्क हालांकि इस बार आईपीएल का इस्तेमाल जून में होने वाले 2024 टी20 विश्व कप की तैयारी के रूप में देख रहे हैं। शुक्रवार को आईपीएल ने सभी फ्रेंचाइजी के साथ 1166 खिलाड़ियों की लंबी सूची साझा की, जिन्होंने नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। हालांकि, अंतिम पूल काफी छोटा होगा जब टीमें उन खिलाड़ियों के नाम आईपीएल को सौंप देंगी जिनमें वे दिलचस्पी रखती हैं। इस लंबी सूची में एसोसिएट देशों के 45 खिलाड़ी, 909 अनकैप्ड (दुनिया से) और 18 कैप्ड (भारतीय) खिलाड़ी हैं। 909 अनकैप्ड में 812 भारतीय खिलाड़ी हैं।

हर्षल, वानिंदु हसरंगा, ब्रूक, ठाकुर के अलावा अनकैप्ड भारतीय बल्लेबाज शाहरुख खान को एक बार फिर एक से अधिक फ्रेंचाइजी द्वारा बोली लगाए जाने की उम्मीद होगी। हर्षल और हसरंगा को 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा गया था, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स ने बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में उनके कमजोर प्रदर्शन के कारण रिलीज कर दिया। ब्रूक को सनराइजर्स ने 13.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, वह पिछले आईपीएल में शतक जड़ने के अलावा कोई प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जिससे सनराइजर्स को उनको टीम में रखने पर फिर से विचार करना पड़ा और अंत में रिलीज कर दिया।

शार्दुल का क्या होगा?

शार्दुल को भी दिल्ली कैपिटल्स ने नीलामी से पहले 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, वह 10 मैचों में लगभग 11 की इकॉनमी और 31.42 की औसत से सिर्फ सात विकेट ले पाए। शार्दुल बल्ले से भी कोई प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे और 10 पारियों में 113 रन बनाए। तमिलनाडु के लिए खेलने वाले शाहरुख ने 2021 में आईपीएल में डेब्यू किया था जब पंजाब ने उन्हें 5.25 करोड़ में खरीदा था। एक साल बाद उन्हें मेगा ऑक्शन से पहले रिलीज कर दिया गया था, लेकिन 2022 के मेगा ऑक्शन में पंजाब ने नौ करोड़ देकर उन्हें वापस से खरीदा। हालांकि, अब तक सिर्फ एक बार प्लेयर ऑफद मैच जीत सके इस खिलाड़ी को पंजाब ने रिलीज कर दिया। शाहरुख ने अपना बेस प्राइस 40 लाख रुपये रखा है और वह चाहते हैं कि उनकी होमटाउन फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स उन्हें खरीदने में दिलचस्पी ले।

मिनी ऑक्शन में कुछ महत्वपूर्ण खिलाड़ी

दो करोड़ रुपये की बेस प्राइस वाले बड़े खिलाड़ी: हर्षल पटेल, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, केदार जाधव, मुजीब उर रहमान, शॉन एबॉट, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मिचेल स्टार्क, स्टीव स्मिथ, मुस्ताफिजुर रहमान, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, डेविड विली, क्रिस वोक्स, लोकी फर्यूसन, गेराल्ड कोएट्जी, राइली रूसो, रासी वान डर डुसेन, एंजेलो मैथ्यूज। 1.5 करोड़ रुपये की बेस प्राइस वाले बड़े खिलाड़ी: मोहम्मद नबी, मोइसेस हेनरिक्स, क्रिस लिन, केन रिचर्डसन, डेनियल सैम्स, डेनियल वोरल, टॉम करन, मर्चेंट डी लांगे, क्रिस जॉर्डन, डेविड मलान, टाइमल मिल्स, फिल सॉल्ट, कोरी एंडरसन, कॉलिन मुनरो, जिमी नीशम, टिम साउदी, कॉलिन इंग्राम, वानिंदु हसरंगा, जेसन होल्डर, शेरफेन रदरफोर्ड।

1 करोड़ रुपए की बेस प्राइस वाले खिलाड़ी: एश्टन एगर, राइली मेरिडिथ, डी आर्सी शॉर्ट, एश्टन टर्नर, गस एटकिंसन, सैम बिलिंग्स, माइकल ब्रेसवेल, मार्टिन गुप्टिल, काइल जेमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, अल्जारी जोसेफ रोवमन पॉवेल, डेविड वीज।

धोनी की जगह चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान बन सकते हैं ऋषभ पंत, पूर्व भारतीय विकेटकीपर का बड़ा दावा

नई दिल्ली । आईपीएल के आगामी सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 19 दिसंबर को होने वाली है। टूर्नामेंट के 17वें सीजन का इंतजार प्रशंसकों को है। उससे पहले दुबई में होने वाली नीलामी में फ्रेंचाइजियों के पास खाली जगह को भरने का मौका रहेगा। एक बार फिर से सबकी नजर चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर होगी। 42 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज ने चेन्नई को पांच बार चैंपियन बनाया है। वह अगली बार भी टूर्नामेंट में दिखेंगे। यह माना जा रहा है कि उनका आखिरी सीजन हो सकता है। प्रशंसक अभी से ही इस बात को लेकर चिंतित हैं कि धोनी के बाद चेन्नई की कप्तानी कौन करेगा। चेन्नई सुपरकिंग्स भी इस बात पर लंबे समय से विचार कर रही है कि धोनी की जगह कमान कौन संभालेगा। उसने 2021 में रवींद्र जडेजा को कप्तान बनाया था, लेकिन वह दांव सही नहीं बैठा। जडेजा ने आठ मैच के बाद ही कप्तानी छोड़ दी थी। भारत के पूर्व विकेटकीपर दीप दासगुप्ता ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के स्टार ऋषभ पंत सही धोनी की जगह कप्तान बनने के सही उम्मीदवार हैं। पिछले साल दिसंबर में हुई भीषण सड़क दुर्घटना के बाद पंत ने अभी तक वापसी नहीं की है। हालांकि, उन्होंने अपने अभ्यास में बड़े पैमाने पर सुधार दिखाया है और इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि वह आईपीएल 2024 में खेलते हुए दिखाई देंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

पर्थ। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए 14 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। सीरीज का पहला मैच 14 से 18 दिसंबर तक पर्थ में खेला जाएगा। पहले टेस्ट मैच के लिए घोषित टीम में बल्लेबाज के रूप में डेविड वॉर्नर, उस्मान ख्वाजा, ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। तेज गेंदबाजों में कप्तान पैट कमिंस के साथ जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड और अनकैप्ड लांस मॉरिस को भी टीम में चुना गया है। टीम में स्पिनर नाथन लियोन की चोट से रिकवरी के बाद वापसी हुई है। ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और मिचेल मार्श भी टीम का हिस्सा हैं। एलेक्स कैरी बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज टीम में चुने गए हैं। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच 14 से 18 दिसंबर को पर्थ में पहला टेस्ट मैच खेल जाएगा। इसके बाद 26 से 30 दिसंबर को मेलबर्न में दूसरा टेस्ट और 3-7 जनवरी, 2024 को सिडनी में आखिरी टेस्ट खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया टीम (केवल पहला टेस्ट) : पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, लांस मॉरिस, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, डेविड वार्नर। टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान की टीम : शान मसूद (कप्तान), आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ हसन अली, इमाम-उल-हक, खुर्रम शहजाद, मीर हमजा, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद वसीम, नोमान अली, सैम अयुब, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद (विकेटकीपर), सऊद शकील और शाहीन अफरीदी।

सचिन नहीं बल्कि अपने बेटे को इस स्टार एथलीट को फॉलो करते देखना चाहते हैं ब्रायन लारा

एजेंसी, कोलकाता

वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर ब्रायन लारा ने कहा कि अगर उनका बेटा एथलीट बनता है, तो वह चाहेंगे कि उनका बेटा भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को प्रतिबद्धता और समर्पण के उदाहरण के रूप में इस्तेमाल करे। विराट कोहली के लिए इस साल का वनडे विश्व कप यादगार रहा था। ट्रॉफी नहीं जीतने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उपविजेता के रूप में समाप्त होने के बावजूद, विराट की बल्लेबाजी ने सभी फैंस का दिल जीता। साथ ही उन्होंने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। विराट वनडे में 50 शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने।

विराट ने क्रिकेट की तस्वीर बदली

वेस्टइंडीज के इस महान बल्लेबाज ने कहा कि विराट ने 'क्रिकेट की तस्वीर' बदल दी है और यह भी कि कैसे कोई अपने अनुशासन के माध्यम से मैच की तैयारी करता है। उन्होंने कहा, 'सबसे पहले विराट कोहली के लिए मुझे पता है कि काफी लोग कहेंगे या पहले ही कह चुके होंगे कि कोहली का प्रदर्शन मायने नहीं रखता क्योंकि भारत ने विश्व कप नहीं जीता। आपकी प्राथमिकता टीम को जीतते देखना है और एक व्यक्तिगत खिलाड़ी के रूप में आपको इसे अपने नंबर एक लक्ष्य के रूप में रखना होगा। लेकिन टीम की सफलता का सहायक व्यक्तिगत सफलता है और यही कोहली ने पूरे विश्व कप में भारत को मैच दर मैच दिया है। कोहली के बारे में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह उनकी सच्ची विरासत है, क्योंकि उन्होंने क्रिकेट का चेहरा बदल दिया है और आप खेल के लिए कैसे तैयारी करते हैं।'

ब्रायन लारा ने की विराट की तारीफ

विराट के विश्व कप में प्रदर्शन की तारीफकरते हुए लारा ने कहा, 'मेरा एक बेटा है और मैं आपको बता सकता हूं कि अगर मेरे बेटे को कोई खेल खेलना है तो मैं कोहली की प्रतिबद्धता और समर्पण का इस्तेमाल न केवल उसकी ताकत बढ़ाने के लिए करूंगा बल्कि नंबर एक खिलाड़ी बनने के लिए जो भी करना होगा, करूंगा।' लारा ने कहा कि कई लोग विश्व कप के दौरान विराट के योगदान को खारिज कर देंगे क्योंकि मेन इन ब्लू ट्रॉफी उठाने में विफल रहा, लेकिन टीम को सफल होते हुए देखना व्यक्तिगत सफलता है, जिसे विराट ने पूरे टूर्नामेंट में हासिल किया।

वनडे विश्व कप में विराट ने बनाए थे खूब रन

कोलकाता में टाइगर पटौदी मेमोरियल लेक्चर के दौरान लारा ने कहा, 'विराट के पास जो अनुशासन है, वह हमेशा से अलग है।' विराट क्रिकेट विश्व कप 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। 11 मैचों में उन्होंने 95.62 की औसत से 765 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और छह अर्द्धशतक शामिल थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 117 रन रहा। विराट ने क्रिकेट विश्व कप के एक संस्करण में सबसे अधिक रन बनाए और सचिन के 2003 विश्व कप में 673 रनों के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने एक विश्व कप में सबसे अधिक पचास से अधिक स्कोर दर्ज करने के लिए सचिन को भी पीछे छोड़ दिया। इस साल 27 वनडे मैचों में विराट ने 72.47 की औसत और 99 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 1377 रन बनाए हैं। उन्होंने 24 पारियों में छह शतक और आठ अर्द्धशतक बनाए हैं, जिसमें 166 * का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

'स्कैंडल में फंस चुके क्रिकेटर को क्यों मिल रही हीरो जैसी विदाई?' जॉनसन का वॉर्नर पर हमला

एजेंसी,सिडनी

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारियों के बीच ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों में से एक डेविड वॉर्नर इस सीरीज में आखिरी बार राष्ट्रीय टीम के लिए सफेद जर्सी पहनेंगे। वॉर्नर का क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में फॉर्म सर्वश्रेष्ठ नहीं रहा है, लेकिन उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया जो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्टार मिचेल जॉनसन को पसंद नहीं आया। जॉनसन ने अपने कॉलम में वॉर्नर पर तीखा हमला बोलते हुए इस तथ्य की आलोचना की कि खराब फॉर्म और 'सैंडपेपर गेट' स्कैंडल में शामिल होने के बावजूद वॉर्नर को विदाई सीरीज खेलने का मौका दिया गया।

जॉनसन ने अपने कॉलम में क्या लिखा?

जॉनसन ने द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन के लिए अपने कॉलम में लिखा- जब हम डेविड वॉर्नर की विदाई सीरीज की तैयारी कर रहे हैं, तो क्या कोई मुझे बता सकता है कि क्यों? संघर्ष कर रहे टेस्ट सलामी बल्लेबाज को संन्यास की तारीख खुद तय करने का मौका क्यों मिला है? और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े स्कैंडल में से एक रहे खिलाड़ी को हीरो जैसी विदाई क्यों मिल रही है और उन्हें क्यों चाहिए?

जॉनसन वॉर्नर को विदाई देने के पक्ष में नहीं

सैंडपेपर गेट स्कैंडल में सिर्फ वॉर्नर को ही फटकार नहीं लगाई गई थी, बल्कि स्टीव स्मिथ और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को भी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दंडित किया था। इस घटना के बाद स्मिथ और वॉर्नर को निलंबन समाप्त होने के बाद भी कप्तानी करने से रोक दिया गया था। हालांकि, जॉनसन अब दिग्गज कहे जाने वाले वॉर्नर को विदाई देने के पक्ष में नहीं हैं।

जॉनसन ने वॉर्नर पर कसा तंज

जॉनसन ने लिखा, 'हालांकि सैंडपेपरगेट में वॉर्नर अकेले नहीं थे। वह उस समय टीम के वरिष्ठ सदस्य थे और ऐसे खिलाड़ी थे जो 'लीडर' या यूं कहें सीनियर के रूप में अपनी शक्ति का उपयोग करना पसंद करते थे। अब जिस तरह से वह बाहर जा रहे हैं, वह उसी अहंकार और हमारे देश के प्रति अनादर से प्रेरित है। वॉर्नर के लिए फैंस क्या लेकर आएंगे? सैंडपेपर भी कम पड़ जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सिर्फ बल्ले या गेंद से आपकी उपलब्धियों के बारे में नहीं है। आपने खुद को कैसे संभाला और आपने खेल को कैसे खेला, यह आपके जाने के बाद लंबे समय तक जीवित रहेगा।

जॉनसन ने सिर्फ वॉर्नर पर ही नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड पर भी निशाना साधा और कहा कि वॉर्नर के चयन का मतलब यह नहीं है कि उन्होंने योग्यता के आधार पर टीम का चयन किया। ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने हाल ही में कहा था कि वे मौजूदा प्रदर्शन के आधार पर इन गर्मियों की टेस्ट टीम का चयन करेंगे। जॉनसन ने कहा, 'यह जानना अच्छा होगा कि यह रणनीति कितने समय से चल रही है क्योंकि ऐसा लगता है कि यह वॉर्नर पर पिछले काफी समय से लागू नहीं हुई है।

'बच्चे आराम से...', नवीन उल हक से लड़ाई के बाद इस पाकिस्तानी खिलाड़ी ने विराट कोहली को किया था मैसेज

एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल 2023 में विराट कोहली और अफगानिस्तान के नवीन उल हक के बीच लड़ाई काफी चर्चा में रही थी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच मुकाबले में विराट और नवीन भिड़ गए थे। इसके बाद विराट की लखनऊ के मेंटर रहे गौतम गंभीर से भी बहस हुई थी। हाल ही में हुए वनडे विश्व कप में विराट कोहली और नवीन उल हक एक बार फिर आमने-सामने आए। भारत और अफगानिस्तान के बीच विश्व कप 2023 में हुए मुकाबले के दौरान फैंस ने नवीन के सामने कोहली-कोहली के नारे लगाए थे। हालांकि, विराट कोहली और नवीन उल हक ने एक-दूसरे को गले लगाया और विवाद को खत्म कर दिया। घटना की तस्वीरें तुरंत वायरल हो गई थीं।

हाल ही में एक पॉडकास्ट में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार इमाम-उल-हक ने दावा किया कि जब विराट कोहली का नवीन उल हक के साथ आईपीएल में झगड़ा हुआ था, तो उनके साथी आगा अली सलमान ने इंस्टाग्राम पर विराट को मैसेज किया था। इमाम ने कहा, 'लड़ाई बहुत वायरल हुई थी। झगड़े के बाद आगा अली सलमान ने विराट कोहली को इंस्टाग्राम पर मैसेज करते हुए कहा, 'कोहली बच्चे आराम से। क्या हो गया है?' यानी आगा सलमान ने कोहली को बच्चे कहकर पुकारा था। सलमान का डेब्यू हाल ही में हुआ है, जबकि कोहली का दिग्गजों में नाम आता है। ऐसे में सलमान का ऐसा कहना फैंस को पसंद नहीं आ रहा है।

इस घटना के बारे में बात करते हुए लखनऊ सुपर जाएंट्स को दिए एक इंटरव्यू में नवीन उल हक ने बताया कि कैसे विराट कोहली ने उनके बीच चीजों को सुलझाया। विश्व कप मैच के दौरान हुई बातचीत के बारे में बताते हुए सलमान ने कहा- 'कोहली ने मुझसे कहा कि चलो इसे खत्म करते हैं। मैंने कहा हां इसे यहीं खत्म करते हैं। इसलिए हम फिर एकदूसरे को देखकर हंसे। हम गले मिले और हम आगे बढ़ गए। कोहली ने फिर मुझसे कहा था कि अब इसके बाद फैंस द्वारा मेरे नाम से नहीं चिढ़ाए जाएंगे। या कुछ ऐसा नहीं सुनेंगे। आपको केवल भीड़ से समर्थन मिलेगा। मैंने हां (मुस्कुराते हुए) कहा और बॉलिंग पर वापस लौट गया।' इसके बाद विराट ने फैंस से नवीन को सपोर्ट करने और उनको चीयर करने का इशारा भी किया था। नवीन ने कहा- मैं अपने टीम मेट के लिए खड़ा रहूंगा। यही कारण है कि हम एक टीम हैं। नवीन उल हक ने यह भी बताया कि अफगानिस्तान क्रिकेट टीम को विश्व कप के दौरान भारत में जो समर्थन मिला, उससे उन्हें ऐसा लगा जैसे वे घर पर खेल रहे थे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें हर मैच से समर्थन मिला है। भारत के खिलाफ दिल्ली में खेले गए सिर्फ एक मैच में हमें कोई समर्थन नहीं मिला (मुस्कुराते हुए)। इसके अलावा हमें हर मैच में घर जैसा एहसास होता है।' कोहली के कहने के बाद फैंस ने हर जगह नवीन उल हक का उत्साह बढ़ाया। नई दिल्ली में इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप मैच के दौरान फैंस ने नवीन को खूब चीयर किया था।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को छह रनों से हराया, सीरीज पर 4-1 से कब्जा जमाया

एजेंसी,नईदिल्ली

भारत ने ऑस्ट्रेलिया से टी20 सीरीज का रविवार को पांचवां और आखिरी मुकाबला जीत लिया है. दोनों टीमों के बीच यह मैच बेंगलुरु के एम.चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया. भारतीय टीम का प्रयास था कि इस मैच को जीतकर सीरीज पर 4-1 से कब्जा जमाया जाए और ऐसा हुआ भी. टीम टॉस जीतकर भारत ने बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 161 रनों लक्ष्य दिया. भारतीय टीम को यशस्वी जायसवाल ने अच्छी शुरूआत दिलाई. यशस्वी ने ऋतुराज के संग मिलकर 33 रनों की साझेदारी की. यशस्वी का विकेट जेसन बेहरेनडॉर्फने लिया. यशस्वी ने दो छक्के और एक चौके की सहायता से 15 गेंदों पर 21 रन बनाए. यशस्वी के बाद अन्य बल्लेबाजों में ऋतुराज, सूर्यकुमार यादव और रिंकू सिंह का विकेट कम रनों में गंवा दिया. 55 रनों पर चार विकेट खोकर श्रेयस अय्यर और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने 42 रनों की अहम साझेदारी की. इसके बाद भारत पारी को कुछ रफ्तार मिली है. जितेश ने तीन चौके और एक सिक्स की सहायता से 24 रनों का योगदान दिया. इसके बाद श्रेयस ने अक्षर पेटल के साथ मिलकर 46 रनों की साझेदारी निभाई. दोनों की साझेदारी की बदौलत भारत आठ विकेट पर 160 रनों के स्कोर पर पहुंचने में सफल रहा।

छत्तीसगढ़ में 15 लाख छोटे किसान तो बेच ही नहीं पाते धान, 18 प्रतिशत बड़े किसानों को 54 फीसदी भुगतान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जिस धान और किसान को लेकर कांग्रेस और भाजपा की राजनीति का पारा चढ़ा रहता है, उसमें चौंकाने वाले तथ्य ये हैं कि प्रदेश में पांच से 25 एकड़ या इससे अधिक तक जमीन वाले 18 प्रतिशत किसानों के खातों में ही धान खरीदी, सब्सिडी या बोनस की 54 प्रतिशत राशि पहुंच रही है। वहीं 25 एकड़ से अधिक रकबा वाले एक प्रतिशत किसानों विभिन्न योजनाओं का सात प्रतिशत लाभ मिल रहा है। शेष 82 प्रतिशत किसान पांच एकड़ से कम रकबे वाले हैं, जिनके हिस्से में महज 46 प्रतिशत आ रहा है।

राज्य सरकार की ओर से कराए गए छत्तीसगढ़ राज्य में काश्त का रकबा और संख्या की कृषि जनगणना के अंतिम सर्वेक्षण के मुताबिक प्रदेश में कुल किसानों की संख्या 40 लाख 10 हजार 772 है। इनमें 24 लाख 34 हजार 321 किसानों के पास पांच एकड़ से कम जमीन हैं।

छत्तीसगढ़ में 1181 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला कल, सबसे पहले इस सीट का रिजल्ट होगा घोषित छत्तीसगढ़ में 1181 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला कल, सबसे पहले इस सीट का रिजल्ट होगा घोषित

कर्ज माफी, सब्सिडी, बोनस को लेकर होने वाली सियासत का सबसे ज्यादा फायदा प्रदेश के नेताओं, अधिकारियों व जमींदारों को मिल रहा है। वर्तमान में किसानों को ढाई एकड़ सिंचित रकबे पर 58 हजार और असिंचित रकबे पर 44 हजार रुपये की दर से कर्ज लेने की पात्रता है। इस वर्ष 24 लाख किसानों ने 6,900 करोड़ रुपये कर्ज उठळाया है। इससे समझा जा सकता है कि कर्ज माफी से बड़े किसानों को कितना फायदा होता होगा।

बता दें कि प्रदेश में भूपेश सरकार राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों को प्रति एकड़ नौ हजार इनपुट सब्सिडी दे रही है। वर्तमान में धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,183 रुपये है। इसके अलावा प्रति क्विंटल न्याय योजना से

600 रुपये दिया जाता है। अभी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान 3,200 रुपये क्विंटल की दर से खरीदी की घोषणा की है, वहीं भाजपा ने 3,100 रुपये क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल और दो साल का बकाया बोनस देने का वादा किया है।

सीएम बघेल ने आनलाइन बेटिंग से जुड़े प्लेटफार्म पर बैन लगाने के लिए पीएम मोदी को लिखा पत्र, बोले- केंद्रीय स?तर हो कार्रवाईसीएम बघेल ने आनलाइन बेटिंग से जुड़े प्लेटफार्म पर बैन लगाने के लिए पीएम मोदी को लिखा पत्र, बोले- केंद्रीय स्तर हो कार्रवाई

घोषणा पर अमल करने के लिए कांग्रेस को प्रति क्विंटल अंतर की राशि 1,016 देना होगा। कांग्रेस 20 क्विंटल के लिए प्रति किसान 64,000 रुपये देगी तो भाजपा 21 क्विंटल के लिए 65,100 रुपये अतिरिक्त राशि देगी। दोनों में से कोई भी सरकार बनने पर अकेले धान खरीदी पर करीब 45 हजार करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा, जबकि चालू वित्तीय वर्ष में अनुपूरक को मिलाकर राज्य का बजट 1.27 लाख करोड़ का है। ऐसे में राज्य के कुल बजट का करीब 35 प्रतिशत हिस्सा केवल धान खरीदी में ही खर्च हो जाएगा। गौरतलब है कि वर्ष 2022-23 में 30,000 करोड़ रुपये धान खरीदी के एवज में कुल भुगतान होने का अनुमान है।

प्रदेश के 40 लाख से अधिक किसानों में से करीब 15 लाख किसान धान नहीं बेच पाते हैं क्योंकि उनके पास भूमि है पर उतना उत्पादन नहीं है। धान बेचने के लिए समितियों में 24.98 लाख पंजीकृत हैं। इस बार प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदी करने के साथ 125 लाख टन धान खरीदने का अनुमानित लक्ष्य रखा गया है।

कृषि विभाग के संचालक चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा, राजीव गांधी किसान न्याय योजना में अधिक लाभ पाने लघु व सीमांत किसानों की संख्या ज्यादा है। बाकी आंकड़ों को देखकर कुछ बोल पाएंगे।

छत्तीसगढ़ कृषि विशेषज्ञ डा. संकेत ठाकुर ने कहा, किसानों की संख्या और रकबा के बीच बहुत बड़ा गेप है। महज सात से 10 प्रतिशत किसानों के पास सबसे अधिक जमीन है। 60 प्रतिशत सीमांत यानी छोटे किसान हैं। यह पिछले 70 वर्षों से चल रहा है। बोनस व कर्ज माफी की योजना पांच एकड़ से अधिक वाले किसानों के लिए नहीं होनी चाहिए।

सूरजपुर में तेंदुए के हमले में 12 वर्षीय बच्चा जमी

सूरजपुर। सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड के ग्राम पंचायत बेदमी में शुक्रवार शाम करीब 6 बजे घर के बाहर खेल रहे सौरभ गुर्जर (12 वर्षीय) पर तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुए को देखकर बच्चे ने शोर मचाया तो लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। लोगों का शोर सुनकर तेंदुआ भाग गया। इस हमले में बच्चे के गले, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। उसे ओड़गी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां इलाज चल रहा है। वन विभाग की तरफ से बच्चे इलाज में आर्थिक मदद की जा रही है।

तेंदुए के हमले से बच्चे के गले, हाथ और अन्य हिस्सों में नाखून लगने से बच्चे को चोटें आई हैं। जानवर को देखकर बच्चे ने भागने की कोशिश की थी। जानवर के पैरों के निशान देखकर ग्रामीणों ने इसे तेंदुआ होना ही बताया है। पहले ही क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी के निशान मिले थे।

तस्दीक के लिए भेजा गया है वन अमला

ओड़गी रेंजर नरेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि बच्चे पर किस जानवर ने हमला किया है, इसकी तस्दीक के लिए वन अमले को मौके पर भेजा गया है। गांव वालों ने पैरों के निशान के फोटो भेजे हैं। क्षेत्र में तेंदुआ, हाइना सहित अन्य जानवरों की मौजूदगी है। तेंदुआ सामान्य तौर पर आबादी वाले क्षेत्र में नहीं आता है। इसलिए अन्य जानवर द्वारा हमले की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। हमला हुआ है, इसलिए इसे गंभीरता से लिया जा रहा है।

कोहरे का कहर, रोजाना रोकी जा रही ट्रेनें

सौ से ज्यादा पैसेंजर-एसप्रेस अलग-अलग कारणों से रद्द लेकिन ये मालगाड़ियों पर बेअसर, 180 में एक भी बंद नहीं

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 100 से ज्यादा यात्री ट्रेनें पिछले 15 दिन से अलग-अलग कारणों से रद्द कर दी गई हैं। चार दर्जन ट्रेनें तीसरी लाइन को कनेक्ट करने, अलग-अलग मंडलों में इंटरलॉकिंग के नाम पर तीन दर्जन ट्रेनें तथा कुछ मौसम और कोहरे के नाम पर रोक दी गई हैं। हालात यह हैं कि हर जरूरी रूट पर प्रमुख ट्रेनें नहीं चल रही हैं या हफ्ते में तीन-चार दिन रोक दी गई हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ में मालगाड़ियां किसी भी कार्य से प्रभावित नहीं हैं।

यहां चल रही सभी 180 मालगाड़ियां पटरी पर हैं। भास्कर की पड़ताल के अनुसार राजनांदगांव-कन्हान तीसरी रेल लाइन परियोजना के तहत कन्हान रेलवे स्टेशन यार्ड को तीसरी लाइन से कनेक्ट करने 48 ट्रेनें, उत्तर पूर्व रेलवे के वाराणसी रेल मंडल के छपरा यार्ड के आधुनिकीकरण के कम की वजह से दुर्ग-छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनें बुरी तरह प्रभावित हैं। शेष7पेज 9

इसी तरह पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत बरांझ रेलवे स्टेशन में नॉन इंटरलॉकिंग के काम की वजह से पांच, ईस्ट कोस्ट रेलवे के संबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत सरला-संबलपुर सेक्शन में ब्लॉक लेकर काम करने की वजह से टिटिलागढ़ पैसेंजर सहित अन्य ट्रेनें, सर्दियों में कोहरे के लिए अग्रिम योजना के तहत दुर्ग-छपरा-दुर्ग सारना?थ एक्सप्रेस फरवरी माह तक 77 दिन और उत्तर रेलवे जोन से चलने वाली निज़ामुद्दीनङ्कअम्बिकापुर-निजामुद्दीन साप्ताहिक स्पेशल फरवरी माह तक 87 दिन रद्द रहेगी। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा रेल मंडल में मथुरा यार्ड के आधुनिकीकरण के काम के कारण

20 ट्रेनों को कैंसिल किया गया है। भोपाल रेल मंडल में बुधनी-बरखेड़ा के मध्य नॉन इंटरलॉकिंग के काम की वजह से 8 ट्रेनों का कैंसिल किया गया है। चंदिया रोड यार्ड को तीसरी लाइन से जोड़ने के लिए 30 ट्रेनों को रद्द किया गया है। इनमें कुछ ट्रेनें साप्ताहिक तो कुछ नियमित ट्रेनें हैं। फरवरी तक रद्द करने का शेड्यूल जारी उत्तर भारत में दिसंबर, जनवरी और फरवरी में पड़ने वाली ठंड और कोहरे को देखते हुए दुर्ग-छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस और निजामुद्दीन-अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस का शेड्यूल जारी किया है। सारनाथ एक्सप्रेस दिसंबर में 25 दिन, जनवरी में 27 दिन और फरवरी में 25 दिन रद्द रहेगी। इसी तरह निजामुद्दीन एक्सप्रेस 5 दिसंबर से 29 फरवरी तक यानी 87 दिन रद्द रहेगी। रेलवे अफसरों के मुताबिक कोहरे की वजह से हर साल ट्रेनें धीमी गति से चलती हैं।

रायपुर-बिलासपुर सर्वाधिक प्रभावित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे माल लदान में अव्वल है, जबकि यात्री सुविधाओं के मामले में ट्रेनें रद्द होने की वजह से लगातार पीछे हो रहा है। पड़ताल के मुताबिक 80 प्रतिशत ट्रेनें लेट चल रहीं है। इसके विपरीत औसतन रोजाना 180 मालगाड़ियां अप एवं डाउन दिशा ?में चल रही हैं। इनमें 30 फीसदी मालगाड़ियों की रैक खाली होती है, यानी जो माल खाली करके लौटती हैं।

जहां तक मालगाड़ियों के परिचालन का सवाल है, रायपुर से बिलासपुर की ओर अप एवं डाउन में 60-60 मालगाड़ियां आती-जाती हैं। इसीलिए यात्री ट्रेनों के मामले में यही हिस्सा सबसे ज्यादा प्रभावित है। कटनी रूट पर 25-25 मालगाड़ियां अप-डाउन दिशा में चल रही हैं। दाधापारा साइडिंग से 5-5 मालगाड़ियां प्रतिदिन चल रही हैं। इनमें कभी-कभी मालगाड़ियों की संख्या में 10-15 की कमी या वृद्धि होती रहती है।

मरम्मत के दौरान भी मालगाड़ी नहीं रोकते

देशभर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन के बिलासपुर और नागपुर रेल मंडल सहित अलग-अलग जोन में चल रहे स्टेशन यार्ड आधुनिकीकरण की वजह से प्रतिदिन औसत 100 ट्रेनें अलग-अलग दिशाओं की रद्द रहेंगी।

जबकि पटरियों पर काम चलने के दौरान मालगाड़ियों को कैंसिल करने के बजाय आउटर या स्टेशनों की मिडिल लाइन में खड़ा कर दिया जाता है। जैसे की काम पूरा होता है, एक-एक कर मालगाड़ियां चलाई जाने लगती हैं।

दुर्ग में 2 मुन्नाभाई पकड़ाएः एसएससी दिल्ली कांस्टेबल की भर्ती परीक्षा देने पहुंचा था, बारकोड स्कैन करने पर खुला राज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने एसएससी दिल्ली कांस्टेबल परीक्षा देने आए मुन्नाभाई को गिरफ्तार किया है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जबकि जिसके स्थान पर वह परीक्षा देने आया था, उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

भिलाई तीन थाना प्रभारी मनीष शर्मा ने बताया कि पार्थवी कॉलेज में 30 नवंबर 2023 को एसएससी दिल्ली कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया था। इस परीक्षा में भानुप्रतापपुर के रहने वाले मनीष मंडावी अपने मित्र सतीश उइके की जगह पेपर देने गया था। परीक्षा हाल में प्रवेश करने से पहले ही एग्जामनरों ने उसे पकड़ लिया। उन्होंने भिलाई तीन पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही भिलाई तीन पुलिस पार्थवी कॉलेज पहुंची। यहां उन्होंने मनीष मंडावी को हिरासत में लिया। इसके बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मनीष के बयान के आधार पर पुलिस ने उसके दोस्त सतीश

उइके को भी गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

मनीष ने पुलिस को बताया कि दिल्ली कांस्टेबल की भर्ती के लिए मनीष और सतीश दोनों ने फार्म भरा था। किसी कारण से उसका फार्म रिजेक्ट हो गया था। सतीश भानुप्रतापपुर में ही च्वाइस सेंटर चलाता है। मनीष की तैयारी अच्छी होने से सतीश ने उसे उसकी जगह परीक्षा देने के लिए राजी किया। थाना प्रभारी ने बताया कि मनीष को पूरा यकीन था कि वो नहीं पकड़ा जाएगा, लेकिन उसे पता नहीं था कि वहां स्कैनर लगाया गया है और हर प्रवेश पत्र के बारकोड को स्कैन किया जा रहा है। मनीष ने प्रवेश

हत्यारे को पकड़ने 12 किलोमीटर पहाड़ चढ़कर पहुंची पुलिस सरगुजा में पत्नी ने खाना नहीं बनाया तो पीट-पीटकर मार डाला

सरगुजा। सरगुजा में पहाड़ी कोरवा समुदाय के युवक ने अपनी पत्नी की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर शुक्रवार को पुलिस 12 किमी पहाड़ पर पैदल चढ़कर घटनास्थल पर पहुंची। दुर्गम हालात में पुलिस को शव को कांवड़ के जरिए पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाना पड़ा। वहीं आरोपी पति को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पति-पत्नी के बीच खाना नहीं बनाने को लेकर विवाद हुआ था। मामला बतौली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम बांसाझाल के दुर्गम पहाड़ में रहने वाले सुखदेव कोरवा (32) कर बुधवार शाम पत्नी संतरी कोरवा (30) से आग जलाने को लेकर विवाद हो गया। दोनों नशे की हालत में थे। संतरी ने आग जलाने और खाना बनाने से मना कर दिया। आरोप है कि इस पर

सुखदेव ने उसकी डंडे से पिटाई कर दी। पिटाई के चलते संतरी के सिर सहित शरी में अंदरूनी चोटें आईं। हालांकि नशे की हालत में होने के कारण मारपीट के बाद दोनों सो गए। अगली सुबह सुखदेव सोकर उठा और संतरी को जगाया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। उसने फौरन ये जानकारी अपने माता-पिता को दी। इसके बाद सुखदेव के भाई ने गुरुवार शाम को कोटवार के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस शुक्रवार को घटनास्थल के लिए रवाना हुई। दुर्गम पहाड़ पर करीब 12 किलोमीटर की पैदल चढ़ाई कर मौके पर पहुंची। दोपहर बाद शव को नीचे लेकर आई और आधी दूर तक ट्रैक्टर बुलाया। इसके बाद कांवड़ के जरिए पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने आरोपी पति सुखदेव कोरवा को गिरफ्तार कर लिया है। जांच अधिकारी ,स्‍ठ संजय नाथ तिवारी ने बताया कि घर में आरोपी और उसकी पत्नी ही रहते थे। बाकी परिवार के लोग दूर-दूर बसे हुए हैं।

टमाटर की रखवाली कर रहे ग्रामीण को हाथियों ने कुचलाः तीन लोगों ने भागकर बचाई जान

बलरामपुर/सरगुजा। बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ वन परिक्षेत्र के ग्राम परेवा में हाथियों ने ग्रामीण लमरू कोरवा (56 वर्ष) निवासी परेवा खोलहीपार को कुचलकर मार डाला। वो अपने तीन अन्य साथियों के साथ टमाटर के खेत की रखवाली कर रहा था। बाकी ग्रामीणों ने भागकर अपनी जान बचाई। जानकारी के मुताबिक तीन दिनों में यह दूसरी मौत है। इससे पहले हाथियों के दल से बिछड़े दंतैल हाथी ने गुरुवार रात दोहना के पतराटोली में 62 वर्षीय महिला बसंती को कुचला था। उसके दो टुकड़े कर दिए थे। बताया जा रहा है कि राजपुर वन परिक्षेत्र के ग्राम माकड़ क्षेत्र से भैरवपुर की ओर घुसे 11 हाथियों का दल शुक्रवार रात परेवा गांव पहुंचा था। जान बचाकर भागे लोगों ने गांव पहुंचकर वन अमले को घटना की सूचना दी। जिस पर वन विभाग की टीम गांव पहुंची। हाथियों के उक्त दल में तीन नर, 4 मादा हाथी और 4 शावक हाथी हैं। हाथियों का दल परेवा गांव के पास ही जंगलों में मौजूद है।

रतजगा कर रहे ग्रामीण

हाथियों की मौजूदगी से ग्रामीण दहशत में हैं। हाथियों का दल मुरदुम और अलखडीहा के पास मौजूद है। एक दंतैल हाथी सरईपानी में है। पतराटोली, बचवा, डीपाडीह, जजगिमा, हर्राटोली सहित आसपास के गांव के लोग सहमे हुए हैं। वन विभाग की टीम लगातार हाथियों की मौजूदगी की सूचना ग्रामीणों को दे रही है। हाथियों से बचने के लिए ग्रामीण रतजगा कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक : सुनीता पांडेय द्वारा आसमा पब्लिर्श इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जय स्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित एवं सांई मंदिर रोड, रायपुरा रायपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित, संपादक : मनोज पांडेय मोबाइल नंबर 97547-50321,6265226298
समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार, लेख एवं पत्रकारों के विचार उनके अपने हैं। इसके लिए प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं मैनेजमेंट उत्तरदायी नहीं होंगे। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा। Email : bulandmedia@gmail.com